



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 15, 1975 (फाल्गुन 24, 1896)

No. 11]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 15, 1975 (PHALGUNA 24, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक फरवरी 1975

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा०—II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18 दिसम्बर, 1974 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एम० एस० छाबड़ा को 11 फरवरी, 1975 से 28 फरवरी, 1975 तक आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री छाबड़ा कनिष्ठ विश्लेषक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे तथा उनका वेतन वित्त मंत्रालय के समय समय पर संशोधित का० शा० सं० एफ० 10(24)-ई०-III दिनांक 4 मई, 1961 में निहित उपबंधों के अनुसार नियमित होगा।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव,
हृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1975

सं० पी० एफ०/एल०-1/73-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर. निदेशक, आसूचना, रेलवे बोर्ड के रूप में प्रतिनियुक्ति श्री एल० एस० दरबारी, पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिनांक 31 जनवरी, 1975 से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० पी० एफ०/एल०-1/74-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से केन्द्रीय अंगुलि-छाप ब्यूरो के श्री लाला प्रसाद, उप-केन्द्रीय-आसूचना अधिकारी को दिनांक 1 फरवरी, 1975 से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न निदेशक केन्द्रीय अंगुलि छाप ब्यूरो, कलकत्ता, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 18 फरवरी 1975

सं० 3/18/74-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से आन्ध्र प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस अधिकारी श्री अंजनेय रेड्डी को

दिनांक 10 फरवरी, 1975 से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

श्री ई० सम्पथ राव, भारतीय पुलिस सेवा, आंध्र प्रदेश को दिनांक 10 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से पुलिस-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गईं।

सं० पी० एफ०/डी-5/69-प्रशासन-5—अपने मूल राज्य में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री डी० पी० एन० सिंह, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रांची ने दिनांक 26 दिसम्बर, 1974 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अपने पुलिस-अधीक्षक के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

दिनांक 20 फरवरी 1975

सं० एन०-34/65-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा गुजरात राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्त पुलिस उप-अधीक्षक श्री एन० वी० जाड़ेजा को दिनांक 9-1-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सी० आई० ए० (I) शाखा में पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० एफ० 8/2/75-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री एम० ए० शेलडेकर, उप पुलिस अधीक्षक, 36 बटालियन, के० रि० पु० दल का त्यागपत्र दिनांक 16-10-74 से स्वीकार करते हैं।

सं० ए० 8/3/75-स्था०—राष्ट्रपति, श्री संदीप कुमार, उप-पुलिस अधीक्षक, 17 बटालियन, के० रि० पु० दल का त्यागपत्र दिनांक 11-1-75 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

सं० ओ०-II-909/73-स्थापना—डॉक्टर राजिन्द्रा सिंह रणजीत ने उनके त्यागपत्र के स्वीकृत होने पर 39 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का त्याग 11 फरवरी, 1974 अपराह्न से कर दिया।

सं० एफ०-4/17/74-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री जे० एन० माथुर, उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमान्डर) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमान्डेंट के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमान्डर) ग्रुप सेन्टर सी० आर० पी० एफ०, नई दिल्ली के पद का कार्यभार

27-1-75 (अपराह्न) को त्याग दिया और 27-1-75 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, ग्रुप सेन्टर, सी० आर० पी० एफ० नई दिल्ली में सहायक कमान्डेंट के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार सम्भाला।

सं० ओ०-II-1202/75-स्था०—राष्ट्रपति, उड़ीसा राज्य पुलिस के श्री अजीत कुमार घोष को प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने उप-पुलिस अधीक्षक के पद का कार्यभार 13 बटालियन, के० रि० पु० दल में 17-1-75 अपराह्न से संभाल लिया है।

एस० एन० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० ई०-38013 (3)/7/74-प्रशा०-I—श्री आर० शेषाद्री ने दिनांक 18 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास, दक्षिणी क्षेत्र, के सहायक कमान्डेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) पद का कार्यभार छोड़ दिया और श्री टी० पी० बालाकृष्णन् नाम्बियर ने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास, के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-3101 3 (2)/5/74-प्रशा०—राष्ट्रपति, निरीक्षक भगवती प्रसाद को दिनांक 24 जनवरी, 75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम, किरिबुरु, का स्थापनापन्न रूप से सहायक कमान्डेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

कार्यालय भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 फरवरी 1975

सं० 10/6/75-ए० डी० I—राष्ट्रपति श्री एस० एस० चतुर्वेदी को, जो भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (आंकड़े प्रक्रिया) हैं, दिनांक 17 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि तक उसी कार्यालय में बिलकुल अस्थायी एवं तदर्थ रूप में श्री सी० एस० राव के स्थान पर, जो उक्त दिनांक से भारतीय सांख्यिकी सेवा में वापस चले गए हैं, उप निदेशक (आंकड़ों प्रक्रिया) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति श्री के० आर० उन्नी को भी जो भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) हैं, दिनांक 17 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि तक

उसी कार्यालय में बिल्कुल अस्थायी एवं तदर्थ रूप में उप-निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री चतुर्वेदी एवं उन्नी का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 25/40/73-आर० जी० (ए० डी० I)—राष्ट्रपति, श्री सुकुमार सिन्हा को जो पश्चिम बंगाल असैनिक सेवा (शासकीय शाखा) के अधिकारी हैं, दिनांक 1 जनवरी, 1975 से पश्चिम बंगाल के उप-जनगणना निदेशक के पद पर स्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सुकुमार सिन्हा का मुख्य कार्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 15 फरवरी 1975

सं० 25/32/74-आर० जी० (ए० डी० I)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/32/74-आर० जी० (ए० डी० I) दिनांक 11 दिसम्बर, 1974 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति श्री जी० एस० कनेकल, जो कर्णाटक वेतन आयोग, बंगलौर में उपसचिव हैं, के उपजनगणना निदेशक के पद पर की पदेन नियुक्ति को दिनांक 1 जनवरी, 1975 से 28 फरवरी, 1975 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

बद्री नाथ
उप महापंजीकार
एवं पदेन उपसचिव

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरी

नई दिल्ली-16, दिनांक 18 फरवरी 1975

सं० 11 (1) 18/72-प्रशा०—श्रीदेवलाल, अनुवाद अधिकारी को दिनांक 10-1-75 (अपरह्न) से वरिष्ठ अनुवादक के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

गोविन्द मिश्र,
निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,
का कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1975

सं० प्रशासन-1/5-5/प्रमोशन/74-75/2815—महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व ने श्री एस० एस० कौरा स्थायी अनुभागाधिकारी को रु० 840-1200 के वेतनमान में दिनांक 1/2/75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त किया है।

हु० जपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार,
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

रांची, दिनांक 1975

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री अमीय कुमार मित्रा स्थायी अनुभाग अधिकारी को उसी कार्यालय में दिनांक 29-1-75 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय, के श्री दीप नारायण झा स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 30-1-75 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ब० प्र० सिंह,

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०)
बिहार

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

सं० ए० प्रशासन/130/74—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई सदस्य श्री के० के० मिगलानी को कार्यालय सहायक निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, बंगलौर में दिनांक 29-1-75 से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० प्रशासन/130/73-74—श्री टी० एन० नटराजन, सहायक निदेशक लेखा परीक्षा, दिनांक 31-1-75 (अपरह्न) लेखा परीक्षा विभाग, रक्षा सेवाएं, से निवृत्त हो गये हैं।

गिरिजा ईश्वरन,
प्रवर उप-निदेशक,

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० 40011(2)/74-प्रशा०-ए(1)—केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली के नियम 48 के प्रावधानों के अंतर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दिए जाने पर और उसे रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा मंजूर कर लिया जाने पर श्री एम० कृष्णा-मूर्थी, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० ओ०/212) रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना के संगठन में सेवारत को 5-3-75 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

2. आर्थिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

क्रम सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	तारीख जब से संगठन पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा
1.	श्री एम० राजागोपाल (पी०/142)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-75 (अपराह्न) रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद
2.	श्री बी० आर० वैश्य (पी०/659)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-75 (अपराह्न) रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975
स्थापना

सं० 5/8/70-प्रशा० (जी)—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारी को उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीख से आयात तथा निर्यात संगठन, वाणिज्य मंत्रालय में सहायक नियंत्रक, आयात-निर्यात (1-2-70 से इसे नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में पुनः नामोदित किया गया है) के पद पर स्थायी करते हैं :—

सं० 6/391/56-प्रशा० (जी)—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर, श्री वी० टी० मिरानी ने 30-11-74 (अपराह्न) को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार सौंप दिया।

बलदेव कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

इस्पात और खान मंत्रालय
खान विभाग
भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० ए० 19011(44)/70-सि० ए०—सक्षम प्राधिकारी द्वारा श्री अजय कुमार, स्थायी सहायक खनि-नियंत्रक तथा स्थानापन्न उप-खनि-नियंत्रक भारतीय खनि विभाग का त्यागपत्र स्वीकृत हो जाने पर श्री अजय कुमार को उनके कर्तव्य भार से मुक्त कर दिया गया है और उनका नाम दि० 10 फरवरी, 1975 के अपराह्न से से इस विभाग की संख्या से निकाल दिया गया है।

ए० के० राघवाचारी,
प्रवर प्रशासन अधिकारी
कृते नियंत्रक

क्रम सं०	नाम	स्थायी करने की तिथि	वह रिक्त पद जिस पर स्थायी किया गया
1.	श्री ई० डब्ल्यू लिंगडोह	1-12-67	1-1-67 से विगत विदेश व्यापार मंत्रालय द्वारा स्वीकृत स्थायी पद पर-देखिए पत्र संख्या 6/101/66-ई-3, दिनांक 19-12-70

आशूतीष मुखर्जी,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6/1011/73-प्रशा० (जी०)—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर, श्री एल० एन० भारद्वाज ने 31-1-1975 के अपराह्न को इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार सौंप दिया।

लोह एवं इस्पात मंत्रालय
इस्पात विभाग

लोह एवं इस्पात नियंत्रण
कलकत्ता-20, दिनांक 5 फरवरी 1975

सं० ई०-III-12(75)/72 (०)—वृद्धावस्था की निर्धारित आयु-सीमा प्राप्त कर श्री जे० एन० भट्टाचार्य, उप-सहायक लोह एवं इस्पात नियंत्रक, 31 जनवरी, 1975 के उत्तरार्द्ध से सेवा से अवकाश ग्रहण किए।

ए० सी० चटर्जी,
उप-निदेशक (प्रशा०)
कृते लोह एवं इस्पात नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 1975

सं० प्र०-1/1(1011)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को दिनांक 1 जनवरी, 1975 के पूर्वार्द्ध से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

1. पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में गोदी निरीक्षक श्री टी० नरसिंह राऊ को उसी कार्यालय मद्रास में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त किया जाता है।
2. पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में गोदी निरीक्षक श्री एन० एल० परमेश्वरन को उसी कार्यालय बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त किया जाता है।
3. पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री बी० के० बहल को उसी कार्यालय, बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त किया जाता है।
4. पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री के० एस० मैनन को उसी कार्यालय बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सर्वश्री टी० नरसिंह राऊ, एन० एल० परमेश्वरन, बी० के० बहल तथा के० एस० मैनन की सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 18 फरवरी 1975

सं० प्र०-1/1(1016)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री ओ० पी० कपूर को दिनांक 1 फरवरी, 1975 के पूर्वार्द्ध से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कपूर की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका संख्या 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

सं० प्र० J/1(688)—उप महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन) श्री एस० एम० मुखर्जी दिनांक 31 दिसम्बर, 1974 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र० 1/1(623)—स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री राजेश्वर निगम दिनांक 31 जनवरी, 1975 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 17 फरवरी, 1975

सं० प्र०-6/247 (313)/61—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में भारतीय निरीक्षक सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III में निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री हरगोपाल दिनांक 31-1-75 के अपराह्न से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-17011 (85)/75-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता निरीक्षण मण्डल में भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री एच० एन० चक्रवर्ती को दिनांक 31-1-75 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

विस्फोटक विभाग

नागपुर दिनांक 30 नवम्बर 1974

सं० ई०-II (7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये, अर्थातः

वर्ग-2 नायट्रेट मिक्सचर के अन्तर्गत

(i) प्रविष्टि "पावरफ्लो-1" के पूर्व में "पावरएक्स" को जोड़ दिया जाये।

(ii) प्रविष्टि "पावराईट" के बाद में "पावरब्लास्ट" को जोड़ दिया जाये।

इंगुव नरसिंहमूर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1975

सं० 5(35)/62-एस० एक—श्री जी एन० कौशिक, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर, निवृत्त आयु पर पहुंचने पर 30 नवम्बर, 1974 को दोपहर बाद सेवा निवृत्त हो गए।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1975

सं० 16-25/74-एस०-1—सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर चिकित्सा सामग्री भंडार करनाल के सहायक डिपो प्रबन्धक श्री आर० के० मित्रा ने 30 नवम्बर, 1974 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

पी० सी० कपूर,
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 1-29/69-प्रशासन-1—अधिवाषिकी वय की प्राप्ति पर अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के सांख्यिकी प्राध्यापक डा० के० के० मैथन 30 नवम्बर, 1974 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय
(ग्रामीण विकास विभाग)
विपणन और निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान शाखा कार्यालय)

तागपुर, दिनांक

सं० फा० 2/8/74-विकास-II—सं० 125, 126, 127, दि० 15-9-1962, सं० 1131, 1132, दि० 7-8-1965, सं० 2907, दि० 5-3-1971 सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दिनांक 1-10-1971, सं० 3099, दि० 3-11-73 तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), विदेश व्यापार मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के लिए मैं एतद् द्वारा श्री एम० जे० डेविस, प्रवर निरीक्षक को काली मिर्च, मिर्च, इलायची, सोंठ, हल्दी, धनिया, सौंफ, मेथी, सेलरी बीज और जीरा के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड के अधीन सूचीकृत संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

एन० के० मुरालीधरा राव,
कृषि विपणन सलाहकार

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक फरवरी 1975

सं० 16/167/69-स्थापना-1—भारतीय रेल सेवा में परि-वीक्षार्थी (प्रोबेशनर) के पद पर नियुक्ति के परिणाम स्वरूप श्री पी० एन० दारैस्वामी को दिनांक 15-1-1975 के अपराह्न से दक्षिणी वनराजिक महाविद्यालय, कोयम्बटूर में उनके सहायक अभियांत्रिकी व सर्वेक्षण व्याख्याता पद के कार्यभार से मुक्त किया गया।

प्रेम कपूर,
कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

परमाणु ऊर्जा विभाग

सम्पदा प्रबन्धन निदेशालय

बम्बई-400201, दिनांक 4 फरवरी 1975

ज्ञापन

सं० 2/397/73-प्रशासन/164—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसार, मैं इस निदेशालय के अस्थायी कारीगर "सी०"

श्री धनजी राम लाड को एतद्द्वारा सूचित करता हूँ कि इस निदेशालय में उनकी सेवा उन्हें इस नोटिस के दिये जाने की तारीख से लेकर एक महीने की अवधि के पूरा होने पर समाप्त हो जायेगी।

एस० एन० वम्बट,
निदेशक, सम्पदा प्रबन्धन

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 1 फरवरी 1975

सं० डी०पी० एस०/ए०/350011/1/73-स्था० 174—निदेशक, क्रय एवं भंडार, इस निदेशालय की दिनांक 3 जुलाई, 1974 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, गुजरात के महालेखाकार के कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० आर० नटराजन को, जो इस निदेशालय में प्रतिनियुक्त हैं, 1 अक्टूबर, 1974 से 28 फरवरी, 1975 तक की अवधि के लिए उसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जीसफ,
प्रशासन-अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 25 जनवरी 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/947/167—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, श्री वाई० आर० वेलांकर की तदर्थ रूप से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति की अवधि को 21 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से दो मास की अवधि के लिए बढ़ाते हैं।

के० वी० सेतूमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

राजस्थान, दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० रापविप/00101/74-प्रशासन/स्थल/48—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य अभियंता, परियोजना के निम्न-लिखित कर्मचारियों को दिनांक 1 फरवरी, 1975 से आगामी आदेश होने तक के लिए उसी परियोजना में अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० वी० नियुक्त करते हैं :—

1. श्री डी० एस० डडवाल,
2. श्री पी० एम० एल० नम्बीयार,
3. श्री के० एल० शर्मा,
4. श्री एन० एस० गेहलोत।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० ए० 12025/6/74-ई० सी०— राष्ट्रपति, श्री ए० के० महेश्वरी को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में 11 नवम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से और आगे आदेश जारी होने तक संचार अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक फरवरी 1975

सं० ए० 32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप से सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री आर० पी० खुराना	11-12-74 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ
2.	श्री आर० स्वामीनाथन	12-12-74 (पूर्वाह्न)	वही नागपुर
3.	श्री जे० जार्ज	26-12-74 (पूर्वाह्न)	वही गोहाटी
4.	श्री एन० जी० एन० मेनन	14-1-75 (पूर्वाह्न)	वही बंबई
5.	श्री आई० लाल राओरा	12-1-75 (पूर्वाह्न)	वही कलकत्ता

दिनांक फरवरी 1975

सं० ए० 38013/1/75-ई० सी०—क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम के श्री एस० के० गुप्त, वरिष्ठ संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० ए०-12025/1/74 ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एस० एल० श्रीवास्तव, सहायक विमानन निरीक्षक, नागर विमानन विभाग को 24 जनवरी 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न रूप में विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1975

सं० ए० 12026/4/74 ई० एच०—महानिदेशक नागर विमानन, महालेखापाल, डाक-तार, दिल्ली के कार्यालय के स्थानापन्न लेखा अधिकारी, श्री एस० सी० भाटिया को नागर विमानन विभाग,

नई दिल्ली के मुख्यालय में 11 फरवरी 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लेखा अधिकारी के पद पर रुपए 840-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है।

दिनांक 19 फरवरी 1975

सं० ए० 32013/3/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री जी० आर० कठपालिया, निदेशक, विमान सुरक्षा को 12 फरवरी 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर उप महानिदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

सं० ए० 32013/5/74-ई० ए०—राष्ट्रपति, श्री डी० रामानुजम, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी को 11 फरवरी 1975 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर सर्वथा तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। उनको सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

दिनांक 19 फरवरी 1975

सं० ए० 26015/1/74-ई० ए०—	इस विभाग की अधिसूचनाओं
ए० 33023/1/72 ई० ए०	तारीख 6-6-1973
ए० 33023/1/72 ई० ए०	„ 8-7-1973
ए० 33023/1/72 ई० ए०	„ 17-10-1973
ए० 33023/1/72 ई० ए०	„ 13-2-1974
ए० 33023/1/72 ई० ए०	„ 19-2-1974
ए० 33023/1/74 ई० ए०	„ 1-8-1974
ए० 33023/1/74 ई० ए०	„ 7-9-1974
ए० 33023/1/74 ई० ए०	„ 21-11-1974

का अधिक्रमण करते हुए महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उन के नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमान क्षेत्र संगठन में रुपए 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी राजपत्रित क्षेणी ii के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त किया है:—

क्र० सं०	नाम	तारीख
----------	-----	-------

श्री यू० वी० शेंगादी, श्री वी० एस० मुलेकर, श्री एस० सी० हरिया, श्री ए० वैकटरामन, श्री जी० एस० गणेशन, श्री आर० एस० रायकर, श्री ए० एस० सिधू, श्री डी० कुप्पन, श्री एस० रैना, श्री बी० एन० जैसिह, श्री परम हंस शर्मा, श्री ए० साहा, श्री जी० के० वर्मा—8-1-1973।

श्री रणजीत कुमार—9-1-1973।

श्री जी० ए० कालसी—30-1-1973।

श्री जे० एस० खुराना, श्री खर० एस० देसवाल, श्री पी० ओहसे, श्री के० एस० ओजला, श्री श्री कृष्ण, श्री बी० शाह, श्री जे० के० बर्मन, श्री एच० सी० मलिक, श्री वी० के० जोशी, श्री एस० एस० पराटे, श्री एच० आर० जोशी—29-1-1973।

श्री एस० जे० सिंह, श्री दलजीत सिंह चतरथ, श्री सी० एम० कोटियाथ, श्री वी० एन० सिंह, श्री एस० पी० मोदी, श्री के० एस० सेनी, श्री ईश्वरी प्रसाद, श्री एस० के० बोरा, श्री आर० पी० सिंह—26-2-1973।

श्री पवन बख्शी—27-2-1973।

श्री राजकुमार—6-3-1973।

श्री के० पी० एस० नायर—9-3-1973।

श्री आर० एस० जसवाल—27-2-1973।

श्री राजू शेंगत, श्री एस० के० साहा, श्री ए० के० मा, श्री के० के० महरोत्रा, श्री वी० एन० प्रसाद, श्री ए० के० लखियार श्री सुनील मेहता—21-5-1973।

श्री पी० एस० नारायणन्—24-5-1973।

श्री वी० के० यादव—25-5-1973।

श्री अवदेश प्रसाद—28-5-1973।

श्री सी० पी० पुरषोत्तमन्, श्री के० सुब्रह्मण्यन्, श्री एस० पी० कोहाट, श्री बी० के० आरोरा, श्री के० एस० डिल्लों, श्री के० बी० पी० एन० सिंह, श्री एम० एम० सिंह, श्री एस० के० सिंगल, श्री एन० कौशल, श्री वी० के० सिंह, श्री अशोक राजा, श्री परम हंस सिंह—10-9-1973।

श्री शिव राज सिंह—14-9-1973।

श्री बी० आर० देवी रेड्डी—10-9-1973।

सर्वश्री पी० जोशी, एस० एस० वर्मा, पी० सान्याल, राकेश वर्मा, के० बागंची, आर० एन० चौधरी, पी० कुमार, एम० एस० गोसाईं, पी० एन० तिवारी, बी० के० केसवानी, कमल पराशर, अशोक राज बाल्मीक—4-3-1974

सर्वश्री कुमारी पी० सिद्धू, आर० आई० सिंह, एल० पी० मेनजीज, जे० बी० आर० पी० राव, विनय कपूर, महीर करमरकर, कमल कान्त, आशा राम, एस० एस० साठे—25-3-1974

सर्वश्री जे० पी० माथुर, पी० एल० सक्सेना, ए० के० शर्मा, एफ० एन० बुहारीवाला, विजय कुमार, ए० एन० माथुर, एम० ए० भट्ट, एस० के० सिंह, ए० एन० विश्वनाथ, के० वैकटारमन, गोपाल मेहता, एम० मुधिष्ठर अग्रवाल—29-4-1974।

सर्वश्री ए० के० ओसवाल, आर० एल० बियाला, आर० जेलपुरी, मुक्तयार सिंह, जी० एस० धीमन, हकम चन्द, वी० डी० परमार, एम० एस० सुन्दरम, 1-7-1974

श्रीके० एस० विर्क—2-7-1974

सुरजीत लाल खण्डपुर

सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1975

सं० 1/330/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा मुख्य कार्यालय बम्बई के सहायक पर्यवेक्षक, श्री डी० एस० पेण्डसेको एक अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 2-12-1974

से लेकर 31-1-1975 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त करत है।

पी० के० जी० नार
उप निदेशक (प्रशा०),
इसे महानिदेशक

नारकोटिक्स विभाग

क्र० सं० 2—नीमच प्रभाग III से स्थानान्तरण पर, श्री पी० एस० चौबे, जिला अफीम अधिकारी ने 18 जनवरी, 1975 के दोपहरपूर्व को, श्री बी० एन० मित्रा के स्थान पर, जिला अफीम अधिकारी, बरेली का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री मित्रा का स्थानान्तरण हो गया है।

क्रम सं० 3—नियुक्ति पर, श्री के० पी० एन० राय, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक ने 27 जनवरी 1975 के दोपहरपूर्व को श्री जी० एस० नाडकर को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए रु० 650-30-740-35-810-द० रो 35-880-40-1000-द० रो 40-1200 के वेतनमान में, जिला अफीम अधिकारी, झालावाड़ (राजस्थान) का कार्यभार सम्भाल लिया।

क्रम सं० 4—नियुक्ति पर, श्री बीरदेव राम, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक ने 10 जनवरी, 1975 के दोपहरपूर्व को रु० 650-30-740-35-810-द० रो 35-880-40-1000-द० रो 40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री राम को गाजीपुर में तैनात किया गया।

क्र० सं० 5—नियुक्ति पर, श्री सन्तोष सिंह, स्थानापन्न उप अधीक्षक (कार्यपालक) ने 22 जनवरी, 1975 के दोपहरपूर्व को श्री वी० तीर्थ को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए रु० 650-30-740-35-810-द० रो 35-880-40-1000 द०-रो 40-1200 के वेतनमान में जिला अफीम अधिकारी, प्रतालगढ़ (राजस्थान) का कार्यभार सम्भाल लिया।

क्र० सं० 6—नियुक्ति पर, श्री जे० मगनजी, स्थानापन्न उप अधीक्षक (कार्यपालक) ने, 9 जनवरी, 1975 के दोपहरपूर्व को श्री पी० एस० चौबे के स्थान पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो 35-880-40-1000 द० रो 40-1200 के वेतनमान में जिला अफीम अधिकारी, नीमच-III प्रभाग का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री चौबे का स्थानान्तरण हो गया है।

क्र० सं० 7—कानपुर समाहृतलय से स्थानान्तरण पर, श्री एन० जी० भटनागर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क क्षेत्र II ने 15 जनवरी 1975 के दोपहरबाद को, श्री आर० के० पी० सिन्हा के स्थान पर, जिला अफीम अधिकारी, बाराबंकी I प्रभाग का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री सिन्हा का स्थानान्तरण हो गया है।

अभिलाष शंकर,
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

केन्द्रीय जल आयोग

(जल स्कन्ध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 12 जनवरी 1975

सं० क-19012/501/74-प्रशासन-5—अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री बी० बी० मुकर्जी, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में 4-11-1974 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। श्री मुकर्जी को 4-11-1974 (पूर्वाह्न) से अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में अपना वेतन प्राप्त करने का अधिकार होगा।

श्री मुकर्जी ने उपरोक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान नियन्त्रण कक्ष, कें० ज० और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) सिलचर में सहायक अभियन्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक फरवरी 1975

सं० क-19012/507/74-प्रशा० 5 अध्यक्ष,--केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री एम० डी० राधाकृष्णन, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में 350-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में 21 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एम० डी० राधाकृष्णन ने उपरोक्त तारीख तथा समय से अन्वेषण वृत्त सं० 2 के अन्तर्गत सिक्किम अन्वेषण प्रभाग, केन्द्रीय जल आयोग, गंगतोक, सिक्किम के अधीन तीसरा अन्वेषण उप-प्रभाग में सहायक अभियन्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, -22 दिनांक 14 फरवरी 1975

सं० क-19012/533/75-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री डी० पी० शर्मा को जो समाज कल्याण विभाग में हिन्दी अनुवादक हैं, केन्द्रीय जल आयोग में सहायक सम्पादक, भगीरथ (हिन्दी) के पदक्रम में स्थानापन्न क्षमता में प्रतिनियुक्ति पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 15-1-75 (पूर्वाह्न) से पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

2-496 GI/74

श्री डी० पी० शर्मा ने केन्द्रीय जल आयोग में उपरोक्त तारीख तथा समय से सहायक सम्पादक, भगीरथ (हिन्दी) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक फरवरी 1975

सं० क-19012/524/74-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से इस आयोग के श्री प्रेम बाबू गोयल, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियान्तिकी) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में केन्द्रीय जल आयोग में रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 26 नवम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री पी० बी० गोयल ने केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण (भूतपूर्व केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (विद्युत स्कन्ध) नई दिल्ली में 26-11-1974 (पूर्वाह्न) से अतिरिक्त सहायक निदेशक के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० क-19012/471/74-प्रशा० 5—इस आयोग की अधि-सूचना सं० क-19012/471/74-प्रशा० 5, दिनांक 11 अक्टूबर, 1974 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एस० एल० अहलुवालिया वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केंद्र, पूना में विशेष अधिकारी (प्रलेखन) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में पुनः 5-11-1974 से 28-2-1975 तक की अवधि के लिए अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरा जाए, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

वी० जी० मेनोन
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 15 फरवरी 1975

सं० 6/2/75-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण एतद्वारा श्री डी० एस० तारानाथ, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी 2) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 9 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 फरवरी 1975

सं० 6/2/75-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण एतद्वारा श्री अमृत राय तकनीकी सहायक को केन्द्रीय बिजली इंजीनियरी (श्रेणी 2) सेवा के सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 22 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक
अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1975

सं० 5/3/73-ई० सी०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल और विद्युत्) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी I में बिल्कुल तदर्थ और अनंतिम आधार पर 30-6-1975/उनके नाम के आगे दी हुई तिथि या जब पद नियमित रूप से भर लिए जाएं, जो भी पहले हो, तब तक की अवधि के लिए स्थानापन्न कार्यपालक इंजीनियर (सिविल और विद्युत्) बने रहने की अनुमति देते हैं।

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I

सर्वश्री

1. डी० डी० मलिक
2. बी० पी० गुप्त
3. खेम चंद गेरीमल
4. आर० डी० मोरी
5. वी० वी० बेकटचारी
6. पी० सी० माथुर
7. एम० वी० शिवादासानी
8. एस० जी० चक्रवर्ती
9. कामता प्रसाद
10. बी० आर० महाजन
11. एस० सी० गोयल-II
12. एस० के० लहरी
13. वाई० पी० वडेहरा
14. बलदेव सूरी
15. के० टी० बालासुब्रह्मण्यम्
16. जसबन्त सिंह
17. एल० पी० मुखर्जी
18. बी० एम० घोष
19. जी० जी० घोष (उसकी सेवा-निवृत्ति की तारीख 28-2-75 तक)
20. आर० के० बराकटकी
21. सी० आर० डे
22. के० के० गुप्त
23. पी० के० बोस
24. राधे लाल-I
25. पी० आर० गर्ग
26. एस० राममूर्ति (उसकी सेवा-निवृत्ति की तारीख 31-1-75 तक)
27. एस० एम० एरन
28. बी० जी० चौधरी
29. वी० के० कृष्णानी
30. एस० पी० अरोड़ा
31. भगवान दास-I
32. ओ० पी० शर्मा-II
33. डी० सी० गोयल

34. डी० के० भौमिक
35. सी० एस० मूर्ति
36. एच० के० सच्चदेव
37. एस० एन० डांडोना
38. आर० एन० गुप्त
39. आर० आर० सिंह
40. बी० डी० गोयल
41. पी० बी० गोयल
42. गुरमेज सिंह
43. बी० जी० पलसीकर
44. सी० एस० करपानी
45. एच० एल० खंजाजी

केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I

सर्वश्री

1. एन० सी० दत्तगुप्त
2. पी० सी० घोष
3. आर० एन० गंगोली
4. डी० आर० खन्ना
5. विश्वनाथ सिंह
6. ए० के० दत्त
7. पी० ए० चावला
8. ई० के० विश्वनाथन
9. जे० चक्रवर्ती
10. बी० के० सूद

सं० 5/1/75-ई० सी०-1—राष्ट्रपति, 1973 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर निम्नलिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी विद्युत सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) के अस्थायी पदों पर 15-1-1975 (पूर्वाह्न) से परिवीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

1. श्री ए० के० पणी
2. श्री एल० तिरुपति रेड्डी
3. बलबन्त कुमार सिंहल

पी० एस० परवानी,
प्रशासन उप-निदेशक

सलाल जल विद्युत परियोजना

दिनांक

सं० सी० ई० एस० पी०/एडीम-जी (1)/74—श्री रतन लाल भट को सलाल जल विद्युत परियोजना जम्मू और काश्मीर में सहायक अभियन्ता के रूप में प्रतिनियुक्त के आधार पर स्थानापन्न क्षमता में/तदर्थ रूप में 26 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न 8: मास की अवधि के लिए नियुक्त कि या जाता है।

एम० गोपाल राओ,
मुख्य अभियन्ता
सलाल जल, विद्युत परियोजना

इन्टेग्रेल कोच फैक्टरी

मद्रास-38, दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० PB/GG/Misc./II श्री एन० पार्थ सारथी, सहायक बिजली इंजीनियर/संपर्क (श्रेणी II) को तारीख 3-12-1974 के पूर्वाह्न से भारमुक्त किया गया और उसी पद पर महानगर परिवहन परियोजना (रेल) मद्रास को स्थानांतरण किया गया और अपने महानगर परिवहन परियोजना (रेल) मद्रास के काम की पूर्ति पर दक्षिण पूर्व रेल स्थानांतरण होंगे।

श्री एम० एस० श्रीनिवासन, स्थानापन्न वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर (व० मा०) को मद्रास के विशेष कार्य अधिकारी (परियोजना) के अधीन, अस्थायी रूप से स्थानांतरण किया गया और इस वक़्त में पुनः स्थानांतरण होकर स्थानापन्न वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/संयंत्र (व० मा०) पर तारीख 6-12-1974 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया गया।

श्री सी० आर० राधाकृष्णन, स्थानापन्न निर्माण प्रबंधक/बिजली (व० मा०) (तदर्थ) को श्रेणी II सेवा में तारीख 6-12-1974 (पूर्वाह्न) से पदावन्ती हुआ और स्थानापन्न सहायक बिजली इंजीनियर/निरीक्षण (श्रेणी II) के पद पर नियुक्त हुआ।

श्री आर० राममूर्ति, स्थानापन्न सहायक बिजली इंजीनियर निरीक्षण (श्रेणी II) (तदर्थ) को तारीख 6-12-1974 के पूर्वाह्न से श्रेणी III सेवा को रिबर्ट किया गया है।

श्री के० रामन, स्थानापन्न अतिरिक्त मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व० प्र०) (स्तर II) को इस प्रशासन से तारीख 5-12-1974 के पूर्वाह्न से निवृत्त होकर दक्षिण रेलवे के मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व० प्र०) (स्तर I) के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एस० के० दत्ता, स्थानापन्न मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/योजना (क० प्र०) को अतिरिक्त मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व० प्र०) (स्तर II) में तारीख 6-12-74 से 29-12-1974 तक पदोन्नति होकर तदर्थ रूप से स्थानापन्न हुआ।

श्री सी० एस० वेंकटरामन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक को तारीख 16-12-74 से 6-1-1975 तक जिला भंडार नियंत्रक/खरीद/परिनिधि (व० मा०) पर पदोन्नति हुई।

श्री आर० सी० टंडन, स्थानापन्न यांत्रिक अधीक्षक (कर्मशाला) (क० प्र०) को पश्चिम रेलवे से मुक्त होकर इस प्रशासन को तारीख 30-12-1974 को रिपोर्ट हुआ और उन्होंने स्थानापन्न मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व० प्र०) (स्तर II) का कार्यभार ग्रहण किया।

श्री एस० बालसुब्रमण्यन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/खरीद/सेल (श्रेणी II) को तारीख 7-1-75 से श्रेणी III सेवा में पदावन्ती हुई।

श्री वी० डिल्ली बाबू, स्थानापन्न कल्याण अधिकारी (श्रेणी II) को तदर्थ रूप से तारीख 20-1-1975 से वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी की पदोन्नति हुई।

श्री सी० शंकरन, स्थानापन्न कल्याण निरीक्षक/ग्रेड I/कैटीन (श्रेणी III) को, कल्याण अधिकारी (श्रेणी II) के रूप में तारीख 20-1-1975 से पदोन्नति हुई।

एस० सुब्रामण्यन,
डिप्टी चीफ पर्सनल आफिसर
फार जनरल मैनेजर

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और एसोसिएटेड
ट्रेडर्स प्र० लि० (इन लिंकों)

सं० कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ————— प्राइवेट लिमिटेड इन लिंकों का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कृष्णचन्द्र दत्त (1946)

प्राइवेट लिमिटेड (इन लिंकों)

सं० कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ————— प्राइवेट लिमिटेड (इन लिंकों) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वोस प्रेस प्रा० लि०
तारीख

सं० एव/19518/डी1442—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ————— वोस प्रेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

यतः कमसियल सप्लाय सिन्डिकेट प्रा० लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 54 चित्तरंजन एभिनिड कलकत्ता-12 में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है कम्पनी के कामकाज का पूरी तौर से समापन कर दिया गया है और यह कि स्टेटमेन्ट आफ एकाउन्ट्स, (विवरणियों) जो समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है, छः क्रमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई हैं,

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में, एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर कमसियल सप्लाय सिन्डिकेट प्रा० लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 प्रेसने इंजीनियरिंग सिंडीकेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, तारीख 10 फरवरी, 1975

सं० 1037टी(560) — कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर प्रेसने इंजीनियरिंग सिंडीकेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एम० एम० फोम लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० एम० फोम लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

प्रबोध
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और ट्रेड एक्सटेन्शन सिंडीकेट लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ट्रेड एक्सटेन्शन सिंडीकेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनी का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं महालक्ष्मी ओअर्स एंड मेटल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1975

सं० 13217/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर महा लक्ष्मी ओअर्स एंड मेटल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं पारसन्स आय० बी० आय० लिमिटेड के विषय में

सं० 13164/560(3) कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पारसन्स आय० बी० आय० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी युनैटेड पालिस्टर अण्ड अलैड ईन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 20 फरवरी 1975

सं० 6043/560(3)/75 — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी युनैटेड पालिस्टर अण्ड अलैड ईन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मगलोदयम चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

एरनाकुलम, दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० 1955/लिख — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मगलोदयम चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० एम० अन्वर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
केरल

आयकर अपील अधिकरण,

बम्बई-20 दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० एफ० 48-एडी(एटी)/74PII — श्री सत्पाल, जो विधि और न्याय मंत्रालय के स्थायी वैयक्तिक सहायक (सी० एस० एस० को श्रेणी II) को 10-2-1975 (पूर्वाह्न) से परिशोधित वेतन मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर आयकर अपील अधिकरण

अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में अस्थायी क्षमता में स्थानापन्न रूप से सहायक रजिस्ट्रार के पद पर अग्रिम आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

वे 10 फरवरी, 1975 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि में रहेंगे।

हरनाम शंकर
अध्यक्ष

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयुक्त आयकर

अर्जन रंज, जयपुर
शुद्धी-पत्र

जयपुर, दिनांक 19 फरवरी 1975

धारा 269 घ (1) के तहत नोटिस संख्या जे-13/74 (12) 4/187 दिनांक 7-1-75 में रजिस्ट्रेशन दिनांक 24-6-1974 के स्थान पर दिनांक 8-8-1974 पढे।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयुक्त आयकर,
अर्जन रंज जयपुर

कार्यालय, आयकर आयुक्त, बिहार

पटना, दिनांक 3 फरवरी 1975

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अन्तर्गत दिनांक 31-3-1974 को कर-व्यक्तिक्रमी निर्धारितियों की सूची निम्नलिखित है।

क्रम सं०	नाम तथा पता	राशि
----------	-------------	------

अ व्यक्ति जो 9 महीने की अवधि के अन्दर व्यक्तिक्रमी है किन्तु 1 वर्ष 3 माह से अधिक नहीं

शून्य

ब व्यक्ति जो 1 वर्ष 3 महीने तथा उससे अधिक अवधि के अन्दर व्यक्तिक्रमी है किन्तु 2 वर्ष 3 महीने से अधिक नहीं।

शून्य

स व्यक्ति जो 2 वर्ष तीन महीने तथा उससे अधिक अवधि से व्यक्तिक्रमी है।

1 श्री चन्द्रदेव सिंह, कदमकुआं, पटना।	2,02,822/-
2 एम० आई० टी० मोटर्स, पटना गया रोड पटना।	3,61,575/-
3 पटना श्रीक भनूफैक्चर क०, पटना।	2,01,630/-
4 स्व० श्री रामनिवास सिंह, लोहानीपुर, पटना।	1,42,484/-
5 मैसर्स अरोड़ा एण्ड क०, पटना सिटी।	27,029/-

6 स्व० श्री पी० आर० दास, पटना।	66,148/-
7 मैसर्स बर्क मैन एण्ड क०, पटना।	1,14,726/-
8 मैसर्स मंगलदास राधाकिसुन, पटना सिटी	28,932/-
9 हरिचरण भगत एण्ड संस, दीनापुर, पटना	30,888/-
10 मैसर्स डोगा साह कसुन लाल, मुरादपुर पटना।	42,221/-
11 श्री शशी भूषण प्रसाद सिंह, बाढ, पटना।	2,96,136/-
12 श्री प्यारे सिंह अतवल, दीनापुर, कौट।	11,09,920/-

जगदीश चन्द

आयकर आयुक्त, बिहार, पटना।

आय-कर राजपत्रित स्थापना

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० 1475—1961 के एक्ट की धारा 117 (1961 का एक्ट 43) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का पालन करते हुए मैंने, श्री ओ० वी० कुरुविल्ला, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई आयकर के निम्नलिखित निरीक्षक को अगला आदेश जारी होने तक, उसके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न आयकर अधिकारी श्रेणी-2 नियुक्त किया है --

1. श्री वी० आर० आप्टे, निराक्षक, आ० क० अ०, (मुख्यालय) 9, बम्बई—10-2-1975 अपराह्न

2. भारत सरकार, वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली के पत्र एफ० सं० 22-3-64-एण्ड-5, तारीख 25-4-1964 की शर्तों के अनुसार दो वर्षों की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। परिवीक्षा की अवधि यदि आवश्यकता हुई उपरोक्त अवधि के बाद बढ़ाई जा सकती है। उसी पद में उनकी पूर्ण और/या रहने देने उनके द्वारा परिवीक्षा अवधि को सफलता पूर्वक पूरा करने पर निर्भर है।

3. उनकी नियुक्ति पूर्णता अस्थायी और अंतिम तौर पर की गई है और बिना सूचना के किसी भी समय समाप्त की जा सकती है।

ओ० वी० कुरुविल्ला
आयकर आयुक्त,
बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1975

सं० 1476— अनुच्छेद एफ० आर० 56 के, के अंतर्गत श्री पी० एस० गोपाल कृष्णन, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त बम्बई को दि० 15-2-1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त की स्वीकृति दी जाती है।

जे० कृष्णमूर्ति,
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

हैदराबाद, दिनांक 7-1-1975

सं० आर० ए० सी० 94/74-75—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22-8-298 का भाग है, जो नयापूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अमातुल करीम, 10-1-123 मासबटयक, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री नसीरखान, 10-2-347/बी आसिफनगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० 22-8-298, स्टेट टाकीज, नयापूल के नजीक, हैदराबाद क्षेत्रफल 7855.6 वर्ग मीटर्स (1/25 का हिस्सा)

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-2-75।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० अ० ई०-11864-11/जून 74—अतः मुझे आर०
जी० नेहरूकर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 92 (अंश) सर्वे नं० 10 (अंश)
हिस्सा नं० (अंश) पाली हल, है, जो पुराना नं० 43,
नया नं० 55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, सब रजिस्ट्रार बम्बई बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-6-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
सुविधा के लिए :

अतः अब, धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती परवातीबाई बजाजण और अन्य
(अन्तरक)

2. कुमारी मिरनार अपार्टमेंट्स को० अपार्टमेंट्स हाऊ-
सिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का खण्ड जो माप में 2000 वर्गगज (समक्षक
1,672 वर्गमीटर) है जो पुराना नं० 43 नया नं० 55 पाली
हिल बान्द्रा, बम्बई-50 जिसका पुराना सर्वेक्षण नं० 251
(अंश) सिटी सर्वेक्षण नं० 12 (अंश), नान-एग्रीकल्चरल
प्लॉट नं० 92 (अंश), सर्वेक्षण नं० 10 (अंश) हिस्सा नं०
1 (अंश) साथ में भवन जो "मिरनार अपार्टमेंट" नाम से
ज्ञात उपरोक्त लिखित भूमि के प्लॉट पर स्थित है ।

आर० जी० नेहरूकर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० अ० पी० 200/आई०ए०सी०/ए०आर०-4/74-75—
अतः मुझे श्री ग० सी० राव

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1, 2 और 3 है, जो बरसोबा
में स्थित है (और इससे उपाय अतुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
16) के अधीन निंक्र 18-6-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री भाईलाल बिडानी द्वारा जयमुख कन्सल्टिंग कं०
388, गेख मेनन स्ट्रीट, बम्बई-3 (अन्तरक)

2. मजडोक एपार्टमेंट को० ए० हाऊसिंग सो लि०
सरीन हाउस, डाकघाट रोड, बम्बई-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो बरसोबा, बृहत्तर बम्बई में है क्षेत्र माप में
1895.45 वर्ग मीटर या आसपास साथ में इमला जिसका
सर्वेक्षण नं० 82.83 और 99 बरसोबा और नया नं०
91.95 (ए०), 98 और 99, प्लॉट नं० 1, 2 और 3,
प्राय निजी योजना और जो सिटी सब नं० 1296, 1297,
1297, 1298, 1299, 1300 और म्यु० नं० सं० के०
वाडें नं० 7159 (7) स्ट्रीट नं० 74-जी, जयप्रकाश रोड,
अंधेरी है ।

गण्टि सोमेखर राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 106/74-75—यतः, मुझे, के० एस० बेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-135/3/ए० हिमायत नगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. हुसेनी बेगम, 3-6-145/4/ए० हिमायतनगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती ए० रतना बाई वरसे कीड़ा मौजा, करीम नगर जिला मौजा (अन्तरिती)

4. श्रीमती एम० राधा, 3-6-145/3/ए० हिमायतनगर हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये पतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 10 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, 10 उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—हुमंजला ईमारत, 3-6-145/3/ए०, हिमायत नगर हैदराबाद, क्षेत्रफल—114 वर्गमीटर

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० अ०ई० 2/1031/2496/74-75—अतः मुझे, के० म० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० सी०/386, 210 कुसी०/385 210 प्लॉट सं० 41 और 42 है, जो दान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1974 अधीन 18-6-1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इन्द्रा जी रिखबानी और अन्य (अन्तरक)
2. श्री अजन्ता बान्द्रा को० आप० हाऊ० सी० लिमिटेड (अन्तरिती)

3. संलग्न परिशिष्ट 'ए०' के अनुसार
परिशिष्ट 'अ'

वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है :—

1. श्री आर० एस० परेरा
2. श्री एस० एस० सालेह
3. श्री सी० एफ० डिसौझा
4. श्रीमती मर्सी टी० फर्नान्डिस
5. श्री टी० इ० खंबाटा
6. श्री पी० एस० लल्ला
7. श्रीमती शालू एम० भतीजा
8. श्री ओ० जड० ननसे
9. श्रीमती जे० य० गोखलानी

10. श्री मोहम्मद अली सैय्यद
11. श्री एम० ए० कुकरेखा
12. श्री आ० यू० ए० सैय्यद
13. श्री डी० बी० लल्ला
14. श्री बी० जी० रिखबानी
15. कुमारी यू० बी० लल्ला
16. श्री एस० वाई० गुप्ते

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रथम : कृषि भूमि का वह टुकड़ा जो माप में 658 वर्ग गज या 550.15 वर्ग मीटर या आसपास है और सर्वेक्षण नं० 210, प्लॉट नं० 1 और अभी सिटी सर्वेक्षण नं० सी०/386 और 1 विक्रेता और उसके भाई की निजी योजना के प्लॉट नं० 1 जो कांतबाड़ी रोड, बान्द्रा, बृहत्तर बम्बई में दांडा का राजस्व गांव, साउथ सालसेट तालका, बम्बई उपनगर में जिला, राजस्टेशन उप-जिला बांन्ना और राजस्टेशन जिला बम्बई उप नगर में स्थित है और पूर्व की ओर से उक्त निजी स्कीम अभी सिटी सर्वेक्षण नं० सी०/384 ए० में सम्मिलित के प्लॉट नं० 3 द्वारा, और पश्चिम की ओर से कांतबाड़ी द्वारा, उत्तर की ओर से सालसेट कैथोलिक हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की जयदाद द्वारा और दक्षिण की ओर से नीचे द्वितीय भूमि का खण्ड द्वारा घिरा हुआ है ।

द्वितीय : कृषि जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 784 वर्ग गज या आसपास और 1 सर्वेक्षण नं० 210 प्लॉट नं० 1 और अभी सिटी सर्वेक्षण नं० सी०/385 और जो विक्रेता और उसके भाई की प्राइवेट स्कीम के प्लॉट नं० 2 जो कांतबाड़ी, बान्द्रा, बृहत्तर बम्बई के दांडा का राजस्व गांव, साउथ सालसेट तालका, बम्बई उपनगर जिला, राजस्टेशन उपजिला बान्द्रा और राजस्टेशन जिला बम्बई में स्थित है और पूर्व की ओर से उक्त प्राइवेट स्कीम अभी सिटी सर्वेक्षण नं० सी०/384 ए० में सम्मिलित के प्लॉट नं० 3 द्वारा, पश्चिम की ओर से कांतबाड़ी रोड द्वारा, उत्तर की ओर से उपरोक्त प्रथम में वर्णित जमीन के टुकड़े द्वारा और दक्षिण की ओर से रोड द्वारा घिरा हुआ है ।

गंटी सोमेश्वर राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10 फरवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, सेलम

दिनांक 10 फरवरी, 1975

1 श्री एन० वी० सिद्ध चेट्टीयार, गुर्गे, सेलम
(अन्तरक)

2 श्री सी० राजामानिकम, गुर्गे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष.—

सं० 19/7 /74-75—यत, मन्त्र के० वी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० डी० डी० ोहै, दादुभाय कुट्टे, सलम है,
जो दादुभाय कुट्टे, सलम में स्थित है (और इससे 'उपाबद्ध
अनुसूची' में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 जन 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

सेलम ब्लाक सं० 2 वार्ड सं० जे० में 6600 स्कुयर
फीट में पाव भाग (नयी टी० एस० सं० 41)।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1, मद्रास

तारीख: 10-2-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 10 फरवरी, 1975

सं० /19/7 /74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डी० डी० दादुभाय कुट्टे, सेलम में है, जो
मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 जून 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, धारा 279-ग के अधुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 268-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एन० वी० वरदराज चेटीयार, गर्गे ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० पर्वतम, गर्गे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम, एफ० डिविजन वार्ड सं० 3, दादुभाय कुट्टे, डी०
डी० रोड में 6600 स्क्वियर फीट का पाव भाग (टी०
एस० सं० 6 और 41) ।

के० वी० राजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 10-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एन० बी० वरदराजु चेटीयार, गुर्गे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास 600006

मद्रास-600006, दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० XVI/19/7-सी०/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० दादुभाय कुट्टे, डी० डी० रोड, सेलम है जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री आर० सेलवराज, गुर्गे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम टोन, एफ० डिबीजन वार्ड सं० 4, दादुभाय कुट्टे डी० डी० रोड, (टी० एम० सं० 6) और जे० वार्ड, ब्लाक 2, नई टी० एम० सं० 41 में 6600 स्क्वियर फीट में पाव भाग।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास-600006

दिनांक: 10 फरवरी 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-60006 दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० XVI/19/7-डी०/74-75—यतः, मुझे, के०
वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० दादुभाय कुट्टे, डी० डी० रोड, सेलम है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सेलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एन० वी० सिंह चेट्टीयार, गुर्गे, (अन्तरक)

(2) श्री कातीगेयन, पुलीकुत्ती स्ट्रीट, गुर्गे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, एफ डिबीजन वार्ड सं० 4 दादुभाय कुट्टे, डी०
डी० रोड, (टी० एस० सं० 6), जो वार्ड, ब्लाक 2, नई
टी० एस० सं० 41 में 6600 स्क्वेयर फीट में पाव नाग।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 10 फरवरी 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० XVI/1(ii)/5-ए०/74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या नई टी० एस० सं० 23, ब्लॉक 3, वार्ड जे०, सेलम है जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री आर० ज्ञानसेकारन, वेलानर स्ट्रीट, सेलम (अन्तरक)
- (2) श्री वी० के० इलयालवाट, अलूर, सेलम जिला, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, वार्ड जे०, ब्लॉक 3 में 3339 स्क्वेयर फीट का भूमि (नई टी० एस० सं० 23)।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास-600006

दिनांक : 10 फरवरी 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्री बी० के० इलयालवार, आलूर, सेलम ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006 दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० XVI/1(ii)/5-बी०/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नई टी० एस० सं० 12, ब्लॉक 3, वार्ड जे० सेलम है जो सेलम स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए में सुविधा के लिए मुकर बनाना ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० गोविन्दसामि पिल्ले, आर० आदी, वेलावर स्ट्रीट, सेलम (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम, वार्ड जे०, ब्लॉक 3, टी० एस० सं० 12 में 3445 स्कैयर फीट का भूमि ।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

दिनांक : 10 फरवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० XVI/1(ii)/5-सी०-74-75—यतः, मुझे,
के० वी० राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नई टी० एस० सं० 12, ब्लाक 3, वांडे जे० सेलम है जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-496 GI/74

(1) श्री आर० मानसेकरन, सेलम (अन्तरक)

(2) श्री वी० के० इलायलवार, अलूर, अलूर तालुक
सेलम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप में कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, वांडे जे, ब्लाक 3, नई टी० एस० सं० 12 में
2900 स्केयर फीट का भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

दिनांक : 10 फरवरी 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० XVI/1(ii)/5-डी०-74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० नई टी० एस० सं० 12, ब्लॉक 3, वार्ड जे० सेठम है में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० रामचन्द्रन, बेलालर स्ट्रीट, सेलम (अन्तरक)

(2) श्री वी० के० इलयालवार, अलूर, सेलम जिला, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, वार्ड जे०, ब्लॉक 3, नई टी० एस० सं० 12 में 2429 स्क्वियर फीट का भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 10 फरवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० 16/1(ii)/5-ई०/74-75—यतः, मुझे,
के० बी० राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नई टी० एस० सं० 12, ब्लॉक 3, वार्ड जे०, है जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांरी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

(1) श्री आर० भानसेकरन, वेलालर स्ट्रीट, सेलम, अन्तरक)

(2) श्री बी० के० इलयालवार, अलूर, सेलम ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाए लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम, वार्ड जे०, ब्लॉक 3, नई० टी० एस० सं० 12,
में 2900 स्क्वियर फीट का भूमि ।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 10 फरवरी 1975 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास-600006 दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० XVI/1(ii)/6/74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 23/1 है जो बोडी नायकनपट्टी गांव, सेलम-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पलनि अम्माल और ए० मातैय्यन, सेलम-5 (अन्तरक)

(2) श्री टी० एम० गोविन्दसामि नायडु 'ए० 7', भारती स्ट्रीट, सेलम-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम-5, बोडीनायकनपट्टी गांव में ए० सं० 23/1 का 4.91 एकड़ भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

दिनांक 10 फरवरी 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० 6/1(ii)/1/74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 149, 150 और 150-ए०, मेन रोड और 166, 167, 168, 169, 170 और 171, बेहत कार स्ट्रीट, है जो दिन्डुक्कल सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, दिन्डुक्कल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह की अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में ० मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए का विवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एम० एस० डी० पिच्चैमुत्तु बेटीयार और आदि, 5, बातन चट्टी स्ट्रीट, दिन्डुक्कल, (अन्तरक)

(2) श्री के० के० आर० नटराजन और के० आर० देवेन्दन, 92, मेन रोड, दिन्डुक्कल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिन्डुक्कल, मेन रोड में डोर सं० 149, 150 और 150-ए० और बेस्ट कार स्ट्रीट में डोर सं० 166, 167, 168, 169, 170 और 171 की भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

दिनांक: 31 जनवरी 1975।
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 फरवरी 1975

Ref. No. J. No. I(167)(EG)/74-75.—

ACQ. File No. 146

यतः मुझे, के० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

S. No. 249, T.S. No. 148

है जो

Suryaropeta, Kakinada

में स्थित है (और इससे उपावद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण से, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Smt. Kirim Yecamma,
W/o Sri Kanakaiah,
KOTHURU Post.

(अन्तरक)

(2) Shri Papireddy Viswanadaban,
S/o Veeraaju,
Yerrapothavaran Village, Ramachandrapuram
Taluk.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

East Godavari Dist.—Kakinada Sub-Registration—
Kakinada Municipality—Kakinada Town—Suryaropeta
—S. No. 249—Western side 4-00 out of Ac. 14-41
cents.

BOUNDRIES

East : Vasamsetty Sarayya's land.

West : Road.

South : Municipal Slaughter house.

North : Kilim Ramulu's house and site with all fruit bearing trees essements etc.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

KAKINADA

दिनांक : 5-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) Shri Kokku Parthasarathy,
Sambamurthynagar, Kakinada.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

KAKINADA

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1975

Ref. No. Acq. File No. 149/J. No. I(276)/74-75.—
K. Subbarao.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें दूरेके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Door No. 3-117A, Vijayalaxmipuram

Bapatla में स्थित है (और इससे उपायद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 30 जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की said Act

के अधीन कर

देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) said Act
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, धारा 269-ग of the said Act

के अनुसरण में, मैं, said Act

की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Smt. M. V. Subbamma,
C/o Sri M. V. Ramamurthy,
Advocate,
Gananolivu Street, Gandhinagar,
Vijayawada-3.

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, said Act अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Guntur District Bapatla Sub-Registrar—Bapatla Muni-
cipality—Bapatla Town—Old Ward No. 16—New Ward
17—Vijayalaxmipuram—Baba House.

BOUNDRIES.

East : Compound wall of this property bordering
to the Municipal Road—117 ft.

South : Site of Malladi Venkataramamurthy—18 ft.
West : House site standing at item No. 2 of this
schedule 121'-9".

North : Compound wall of this property bordering
Municipal Road 70'-6".

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

KAKINADA

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

KAKINADA, दिनांक 7 फरवरी 1975

Ref. No. Acq. File No. 148/J No. 1(VSP.76)/74-75.—
K. Subbaro

यतः मुझे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० Door No. 6-5-8. है जो Waltair में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तअन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए नें सुविधा और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, में सुविधा के लिये सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) Shri V. R. Chitra alias Chitra Veerabhadra Rao, Waltair, Visakhapatnam-3. (अन्तरक)

(2) The Great Easter Shipping Company Ltd., Regd. Office, Mercantile Bank Building, 60, Mahatma Gandhi Road, Bombay. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality—Visakhapatnam Town—Waltair—Plot Nos. 11 and 12—Survey No. 375,376 and 377—Block No. 22—Waltair ward—Visakhapatnam bearing present Door Nos. 6-5-8—2082 Sq. Yds.

BOUNDRIES

East : site for Park
West : T.P.S. 50 feet road
North : Lay out Road 40 ft.
South : Dry ditch land.

K. SUBBARAO

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 25-1-1975

मोहर :

अर्जन रेंज, KAKINADA

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 105/74-75—यतः, मुझे, के०
एस० बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7-2-309 ब 310 अशोक नगर है जो
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जून
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बेचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

5—496G/74

1. श्री श्याम लाल पुत्र हजारीमल, 7-2-309 तथा
310, मिशन स्कूल, अशोक नगर, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र डी० पारेख, 6, जीरा, सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यवितियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—इमारत न० 7-2-309 तथा 310, मिशन स्कूल,
स्ट्रीट, अशोक नगर, सिकन्दराबाद।

के० एस० बेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 11 फरवरी 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 103/74-75—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 18-14-83/1, 83/2, 18-14-85, 85/1, से 85/5, चादरघाट है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता (धिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन दिनांक 13 जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हशमतुन्निसा बेगम पुत्री नवाब जहीर यार जंग बहादुर, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री दावद खान (2) महमद अली खान,
(3) असदुल्ला खान (4) मोहमद बमाजीदखान
(5) ऐबराहीम अली खान, खड़कपुरा कर्नूल,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—पूरा इमारत जो “कमल टाकीज” के नाम से पहचान है, जिसमें खुली जमीन, सिनेमा हाल, रेस्टोरेंट, दुकानें, नौकरों के मकानात, साइकल स्टैंड और अन्य बान्धा हुआ नं० (पुरानी) 18-14-83/1, 83/2, 18-14-83/2, 85/1, 85/2, 85/3, 85/4, 85/5 जिसके नए नं० 16-6 104 से 109 तक, जो चादरघाट हैदराबाद में स्थित है, (सिनेमा प्रोजेक्टरस नया सिनेमा छोड़कर)।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 11 फरवरी 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 104/74-75—यतः, मुझे, के० एस० वेक्टरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 7-2-309, अशोक नगर है जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्याम लाल पुत्र हजारीमल, 3449 (7-2-309), मिशन स्कूल, अशोक नगर, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2 श्री राम सिंह पुत्र शिवनारायण सिंह, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित, है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—इमारत न० 3549/(7-2-310) मिशन स्कूल, अशोक नगर, सिकन्दराबाद, क्षेत्रफल (109) वर्ग मीटर्स।

के० एस० वेक्टरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11 फरवरी 1975
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 102/74-75—यतः, मुझे, के० एस० बेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22-8-298 का भाग (1/25) का हिस्सा है जो नयापूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक और अन्तरिती के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ।

अतः : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमानुल करीम पुत्री मीर जाफर अली खान, मासब टयांक, हैदराबाद. (अन्तरक)

2. श्रीमती अनवरी बेगम पुत्री अमहद खान 10-2-347/बी०, आसिफ नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हों, तो --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—(1/25 का हिस्सा) नं० 22-8-298 का भाग स्टेट टाकीज, नयापूल के नजदीक, हैदराबाद

के० एस० बेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7 फरवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 101/74-75—यतः, मुझे, के०
एस० बंकेटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 22-8-298 का भाग (2/25 का हिस्सा)
है जो नयापूल में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत दल्लेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की मधारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सय्यद अब्दुल हमीद पुत्र सय्यद अब्दुल्ला, खैरताबाद
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती अनवरी बेगम पुत्री अहमद खान, 10-2-
347/बी०, आसिफ नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—(2/25 का हिस्सा) सं० 22-8-298 का भाग
स्टेट टाकीज, नयापूल के नजदीक, हैदराबाद

के० एस० बंकेटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7 फरवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 100/74-75—यतः, मुझे, के० एस० वेकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22-8-298 का भाग है जो नयापूल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः उक्त अधिनियम अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सैय्यद अब्दुल वाटब पुत्र सैय्यद अब्दुल्ला, खैरताबाद, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती अनवरी बंगम पुत्री अहमद खान 10-2-347/बी०, आसिफ नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—2/25 का हिस्सा न० 22-8-298 का भाग स्टेट टाकीज़, नयापूल हैदराबाद।

के० एस० वेकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 7 फरवरी 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

केंद्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/iii/एस० आर०-
iii/जून-ii/12(5)/74-75/5043—यतः मुझे, एस० सी०
परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 306032 वाई-19, प्लॉट नं० 12, ब्लॉक नं० 56, डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजि-
ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधान्य 19-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिये सुकर बनाना

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेन्द्र कुमार मोगियां, सुपुत्र श्री मदन लाल मोगियां, श्री मदन लाल मोगियां के द्वारा, ई.-9/19, वसन्त विहार, नई दिल्ली 1 (अन्तरक)
2. मै० यूनाइटेड कन्स्ट्रक्शन ऐन्ड ट्रेडिंग कम्पनी, 45, देश बन्धु गुप्ता मार्केट, करोल बाग, नई दिल्ली 1 (अन्तरिती)

उन व्यक्तियों के नाम जोकि जायदाद नं० 12/56, डब्ल्यू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली-5, में अधि-
धोगी हैं, जैसा कि कालम नं० 3 के आयकर अधिनियम, 1961/
5043 (1961 का 43) के धारा घ-(1) के अधीन सूचना है ।

दुकान नं०	अधिभोगी के नाम	किराया हर महीने रु०
1.	अमरोता ट्रेडिंग क० प्रो० एस० तरन सिंह	50/-
2.	ओम प्रकाश	50/-
3.	मुख्य राज गुलाटी	50/-
4.	मुख्य राज गुलारी	50/-
5.	राम शक्ति	50/-
6.	अमर नाथ लुथरा	50/-
7.	श्रीमती प्रतिभा रानी	50/-
8.	देव राज मुखरेजा	50/-
9.	लिफ्टन टी० कं०, के० एल० सैल्समैन के द्वारा	50/-
10.	हन सराज भुटानी	50/-
11.	मोहोन्द्र लाल	50/-
12.	राम नाथ और कुल भूषण	60/-
गैरज नं०		
1.	वास देव वर्मा	60/-
2.	श्रीमती लाज मागियां, प्रो० मोगिया वादर्स	60/-
3.	ओम प्रकाश नरेश कुमार	60/-
4.	केवल कृष्ण सहगल	60/-
	पहली मंजिल चन्द्रा शेखर मोहोला	175/-
	दूसरी मंजिल 7 डा० कुमारी इन्दू बैन पटेल	160/-
	यूनाइटेड ट्रेडिंग क०	600/-
	यूनिवर्सल कैमिक्ल्स क०	450/-
	बरसाती श्री सुरेश सचदेवा	30/-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, यदि
कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ;

अनुसूची

1/4 भाग दुमजिला बिल्डिंग का जिसका म्यूनिसिपल नं०
306082, वाई नं० 16, है जोकि लीजहोल्ड प्लॉट नं०
12 ब्लॉक नं० 56 पर बना है तथा जिसका क्षेत्रफल
1288.2 वर्ग गज है और डब्ल्यू ई० ए०, कारोल बाग,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से सीमित है :—

उत्तर : सर्विस सड़क

दक्षिण : सड़क

पूर्व : जायदाद पर प्लॉट-ii

पश्चिम : सड़क

एस० सी० परीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5 फरवरी, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

केंद्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III
/जून-II/ 13(5)/74-75/5043—यतः मुझे, एस० सी०
परोजा आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 306082 वार्ड-16, प्लॉट नं० 12, ब्लॉक
56, डब्ल्यू ई० ए० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध असूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में नई दिल्ली रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुकन्द लाल, सुपुत्र श्री० कनवर भान
मोगिया, 9, टैलिग्राफिक लेन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. मै० यूनाईटेड कन्स्ट्रक्शन एन्ड ट्रेडिंग कम्पनी,
45, देश बन्धु गुप्ता मार्केट, करौल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

उन व्यक्तियों के नाम जोकि जायदाद नं० 12/56, डब्ल्यू०
ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड, करौल बाग, नई दिल्ली-5, में अधि-
भोगी हैं, जैसा कि कालम नं० 3 के आयकर अधिनियम, 1961/
5043 (1961 का 43) के धारा घ (1) के अधीन सूचना
है।

दुकान नं०	अधिभोगी के नाम	किराया हर महीने
1.	अमरीता ट्रेडिंग कं० प्रो० एस० तरन सिंह	रु० 50/-
2.	श्रीम प्रकाश	50/-
3.	मुख्य राज गुलाटी	50/-
4.	मुख्य राज गुलाटी	50/-
5.	राम शक्ति	50/-
6.	अमर नाथ लुथरा	50/-
7.	श्रीमती प्रतिभा रानी	50/-
8.	देव राज मुखरेजा	50/-
9.	लिफ्टन टी० कं०, के० एल० सेल्समैन के द्वारा	50/-
10.	हनस राज भुटानी	50/-
11.	मोहीन्द्र लाल	50/-
12.	राम नाथ और कुल भूषण	60/-
गैरज नं०		
1.	वास देव वर्मा	60/-
2.	श्रीमती लाज मोगियां, प्रो० मोगिया ब्रादर्स	60/-
3.	श्रीम प्रकाश नरेश कुमार	60/-
4.	केवल कृष्ण सहगल	60/-
	पहली मंजील चन्द्रा शेखर मोहीला	175/-
	दूसरी मंजील में डा० कुमारी इन्दूबेन पटेल	160/-
	यूनाईटेड ट्रेडिंग कं०	600/-
	यूनिवर्सल कैमिकल कं०	450/-
	बरसाती श्री सुरेश सचदेवा	30/-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के संबंध में
कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग दुर्गजिला इल्लिडिंग का जिसका म्युनिसिपल
नं० 306082, वार्ड नं० 16, है जो कि लीजहोल्ड प्लॉट नं०
12, ब्लॉक नं० 56 पर बना है तथा जिसका क्षेत्रफल
1288.2 वर्ग गज है और डब्ल्यू ई० ए० करौल बाग,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से सीमित है :—

उत्तर : सर्विस सड़क

दक्षिण : सड़क

पूर्व : जायदाद पर प्लॉट नं० 11

पश्चिम : सड़क

एस० सी० परोजा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: फरवरी, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/III/एस० आर०-II/ जून-II/13(5)/74-75/5043--यतः, मुझे एस० सी० परीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसका सं० 306082 वाई-19, प्लॉट नं० 12, ब्लॉक नं० 56, डब्ल्यू० ई० ए० है, जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर धनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री कुलतरन सिंह मोगियां, सुपुत्र स्वर्गीय श्री कनवर भान मोगियां, निवासी 12/56, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. मै० यूनाईटेड कन्सल्टेशन ऐन्ड ट्रेडिंग कम्पनी, 45, देश बन्धु गुप्ता मार्केट, करोल बाग, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

उन व्यक्तियों के नाम जोकि जायदाद नं० 12/56, डब्ल्यू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-5, में अधिभोगी हैं, जैसा कि कालम नं० 3 के आयकर अधिनियम, 1961/5043 (1961 का 43) के धारा घ(1) के अधीन सूचना है ।

6-496C/74

दुकान नं०	अधिभोगी के नाम	किराया हर महीने
1	अमरीता ट्रेडिंग कं० प्रो० एस० तर्न सिंह	रु० 50/-
2	श्रीम प्रकाश	50/-
3	मुख्य राज गुलाटी	50/-
4	मुख्य राज गुलाटी	50/-
5	राम शक्ति	50/-
6	अमर नाथ लुथरा	50/-
7	श्रीमती प्रतिभा रानी	50/-
8	देव राज मुखरेजा	50/-
9	लिप्टन टी० कं०, के० एल० सेल्समैन के द्वारा	50/-
10	हनस राज भुटानी	50/-
11	मोहीन्द्र लाल	50/-
12	राम नाथ और कुल भूषण	60/-
गैरज नं०		
1	वास देव वर्मा	60/-
2	श्रीमती लाज मोगियां, प्रो० मोगियां ब्रादर्स	60/-
3	श्रीम प्रकाश नरेश कुमार	60/-
4	केवल कृष्ण सहगल	60/-
	पहली मंजील चन्द्रा शेखर मोहोला	175/-
	दूसरी मंजील डा० कुमारी इन्दू बेन पटेल	160/-
	यूनाईटेड ट्रेडिंग कं०	600/-
	यूनिवर्सल कैमिकल कं०	450/-
	बरसाती श्री सुरेश सचदेवा	30/-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 भाग दुमजिला बिल्डिंग का जिसका म्यूनिसिपल नं० 306082, वाई नं० 16 है जोकि लीजहोल्ड प्लॉट नं० 12, ब्लॉक नं० 56 पर बना है तथा जिसका क्षेत्रफल 1288.2 वर्ग गज है और डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से सीमित है:—

उत्तर: सर्विस रोड

दक्षिण: सड़क

पूर्व: जायदाद पर प्लॉट नं० 11

पश्चिम: सड़क

एस० सी० परीजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: फरवरी, 1975 अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/II/एस०आर०-III जून-II/10 (2) /74-75/5043 यतः मुझे, एस० सी० परीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 306082 वार्ड-16, प्लॉट नं०-12, ब्लॉक नं० 56, डब्ल्यू०ई०ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर लाल भोगियाँ, सुपुत्र स्वर्गीय श्री कनवर भान भोगियाँ, 12/56, डब्ल्यू०ई०ए०, कारौल बाग, नई दिल्ली-1.

(अन्तरक)

2. मै० यूनाईटेड कन्स्ट्रक्शंस एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी, 45, देश बन्धु गुप्ता मार्किट, कारौल बाग, नई दिल्ली-1. (अन्तरिती)

उन व्यक्तियों के नाम जो कि जायदाद नं० 12/56, डब्ल्यू०ई०ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड़, कारौल बाग, नई दिल्ली-5, में अधिभोगी है, जैसा कि कालम नं० 3 के आयकर अधिनियम, 1961/5043 (1961 का 43) के धारा घ(1) के अधीन सूचना है।

दुकान नं०	अधिभोग के नाम	किराया दर महीने
1.	अमरीता ट्रेडिंग क०, प्रो० एस० तरन सिंह	50/- रु०
2.	ओम प्रकाश	50/-
3.	मुख्त राज गुलाटी	50/-
4.	मुख्त राज गुलाटी	50/-
5.	राम शक्ति	50/-
6.	अमर नाथ लूथरा	50/-
7.	श्रीमती प्रतिभा रानी	50/-
8.	देव राज मुखरेजा	50/-
9.	लिप्टन टी० कं०, के० ए० सेल्समैन के द्वारा	50/-
10.	हनस राज भुटानी	50/-
11.	मोहीन्द्र लाल	50/-
12.	राम नाथ और कुल भूषण गैरज नं०	60/-
1.	वास देव वर्मा	60/-
2.	श्रीमती लाज भोगियाँ, प्रो० भोगियो ब्रादर्स	60/-
3.	ओम प्रकाश नरेश कुमार	60/-
4.	केवल कृष्ण सहगल	60/-
	पहली मंजील चन्द्रा शेखर मोहोला	175/-
	दूसरी मंजील डा० कुमारी इन्दू बेन पटेल	160/-
	यूनाईटेड ट्रेडिंग कं०	600/-
	यूनिवर्सल कैमिकल कं०	450/-
	बरसाती श्री सुरेश सचदेवा	30/-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग दुमजिला बिल्डिंग का जिसका म्यूनिसिपल नं० 306082 वार्ड नं० 16 है जो कि लीजहोल्ड प्लॉट नं० 12, ब्लॉक नं० 56 पर बना है तथा जिसका क्षेत्रफल 1288.2 वर्ग गज है और डब्ल्यू०ई०ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से सीमित है:—

उत्तर : सर्विस सड़क

दक्षिण : सड़क

पूर्व : जायदाद पर प्लॉट नं० 11

पश्चिम : सड़क

एस० सी० परीजा,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख: फरवरी 1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर: अर्जन रेंज-III नई दिल्ली, 1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 10 फरवरी 1975

निर्देश सं० 69/74-75/एक्यु०—मतः मुझे, आर० पार्थ-
सारथी, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे नं० 228 है, जो रायचूर गांव तालूक : रायचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायचूर में डाक्युमेंट नं० 608 के अन्तर्गत, 26-6-1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः उक्त अधिनियम की अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इथली शरणप्पा सुपुत्र काडप्पा, टीचर, बैरून किल्ला मिडल स्कूल, रायचूर। (अन्तरक)

2. मैसर्स राजेन्द्र इंडस्ट्रीज, उसके मैनेजिंग पार्टनर्स के तरफ से—

(1) श्री शंभु वेंकटस्वामी, सुपुत्र रामय्या, पार्टनर मैसर्स शंभु वेंकटस्वामी, राजेन्द्र गंज, रायचूर।

(2) श्री एच० वी० मानवीकर, सुपुत्र एम० आर० विठोबप्पा, पार्टनर मैसर्स नरसय्या शेट्टी एण्ड शन्स, ट्रेडिंग आफ भारत मर्चेंट्स, रायचूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14 एकड़ और 14 गुंठे में 4 एकड़ विस्तीर्ण का खुल्ला जगह, जिसका सर्वे नं० 228 है और असेसमेंट 21-96 है और जो रायचूर गांव, रायचूर में है। सीमाएं इस प्रकार हैं :—

पूरब में—गुलदास निम्मय्या का सर्वे नं० 229,

पश्चिम में—सर्वे नं० 228 का एक भाग;

उत्तर में—अंतरक का सर्वे नं० 228 का जमीन का बचा

हुआ भाग और मयलापुर-रायचूर रास्ता;

दक्षिण में—इथली कल्लप्पा का सर्वे नं० 219 और 218।

आर०, पार्थसारथी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्ज रेंज, धारवाड

तारीख : 10-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1975

निदेश सं०-III/95/अर्जन/74-75-1784—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और सा० प्लॉट नं० 1370, 1371, 1372 इत्यादि है तथा जो, पटना सीटी, पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री 1. सैयद सईद अहमद, प्रोफेसर जगदम कालेज, छपरा जिला सारन, 2. मो० बीबी हस्मत अरा बेगम 3. सईदा बेगम जोजे, सैयद हुसैन अहमद वल्दान सैयद हुसैन खां, सा०-पो०-हाजीगंज, पटना सीटी, पटना (अन्तरक)

(2) श्री रामस्वरूप भरतीया और श्री प्रभु लाल भरतीया वल्दान—श्री मंगीलाल भरतीया, सा० लंगूर गली, पटना सीटी वर्तमान-एम० एस० मंगीलाल भरतीया स्कैप डीलर सा० लंगूर गली (हाजीगंज), पटना सीटी, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्ण रकबा 23 कट्ठा 14 धूर का सात आना हिस्सा साथ मकान सा० लंगूरगली, पटना सीटी सं०-ब०-170 बा० नं० -26, हो० नं०-135 सीट नं० 243 और 260, एम० एस० प्लॉट नं० 1370, 1371, 1372, 1374 1328 जो पूर्ण रूप से दस्तावेज नं० 9208 दिनांक 20-6-74 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 13-2-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 14 फरवरी 1975

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एफ्यु०/1/एस० आर०-1/
अगस्त-11/318(32)/5089/74-75—यतः मुझे, डी० बी०
लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम 'कहा गया है')
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० प्लॉट नं० रिक्त, ब्लाक नं० 127 है, जो पार्लियामेंट
स्ट्रीट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
में सुविधा के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती महेन्द्र कोर, पत्नी सरदार जसपाल सिंह, निवासी
1-ए, बैकुंठ जनपथ, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. मै० नारदरण इन्टरप्राइजिज कापोरेशन (प्राइवेट)
लिमिटेड, 2, नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)
3. 1. श्री श्रीकृष्ण
2. रिक्त
3. गैयको (प्रा०) लिमिटेड
4. डा० के० एन० एस० नाथ्यर
5. श्री किशोरी चन्द पुरी
6. श्री करम चन्द

7. मोहिन्द्र सिंह और के० बी० सिंह
8. कुमारी पी० जे० स्काट
9. श्रीमती पुष्पा वती शर्मा
10. श्री एस० ए० शास्त्री
11. श्री सी० बी० वदीहेला
12. श्री रूप चन्द
13. श्री आर० एस० पी० एन० सेन
14. श्री ए० एस० रघुनाथन
15. मै० विल्स मोटर
16. श्रीमती समसोन कूक
17. श्री समसोन कूक
18. श्री० विल्सन
19. श्री० जै पाल
20. श्रीमती बूलन धोबी
21. श्रीमती करम चन्द
22. श्री० छोटेलाख धोबी
23. श्री० राम बास
24. श्री० इतबारी कूक
25. श्री० एस० रघुनाथन
26. श्री० वी० पी० गांधी
27. श्री० दालू राम
28. श्री० जोसफ
29. गुप्ता इलेक्ट्रिक कम्पनी
30. स्टैण्डर्ड रैस्टोरेंट (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
31. ए० गादिन एण्ड कं० सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पट्टे की भूमि में अधिकार वाले प्लॉट जिसका क्षेत्रफल लगभग
1.034 एकड़ है जिस पर भवन बना हुआ है और जिसका प्लॉट
नं० शून्य, ब्लाक नं० 127, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में स्थित
है 'नरेन्द्र प्लेस', नई दिल्ली के नाम से विख्यात है और जिसकी
सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व—पार्लियामेंट स्ट्रीट से

पश्चिम—अलाहबाद बैंक भवन और पीछे के भवन हनुमान
रोड के समाने से ।

उत्तर—अलाहबाद बैंक भवन से ।

दक्षिण—नई दिल्ली म्युनिस्पल कमेट्री कम्पाउंड से ।

डी० बी० लाल,

तारीख : 14 फरवरी 1974

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

मोहर .

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1975

निर्देश सं० नं० अमृतसर/पट्टी/एपी-1588/74-75—यतः
मुझे वी० आर० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पट्टी में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बरिन्द्रजीत कौर उर्फ वीरा गिल पत्नी श्री
अवतार सिंह गिल पट्टी । (अन्तरक)

2. अवतार सिंह गिल आई० ए० एस० गाँव पट्टी जिला
अमृतसर अब नई दिल्ली में नोकरी पर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1198 जून 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पट्टी में है ।

(वी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 13-2-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 13 फरवरी 1975

निर्देश नं० अमृतसर/पट्टी/ए०पी०-1590/74-75—

यस: मुझे, वी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा श्री भैनी गुरुमुख सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मेजा सिंह सुपुत्र पाल सिंह गौय भैनी गुरुमुखसिंह तहसील पट्टी । (अन्तरक)

2. श्री हरचन्द सिंह सुपुत्र बलविन्द्र सिंह, जसधन्त सिंह सुपुत्र पुरन सिंह गौय भैनी गुरुमुखसिंह तहसील पट्टी । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1198 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पट्टी में है ।

वी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 13-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Sri Akurati Narayanarao,
Gudiwada. (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) 1. Pidikiti Ananda Rahamohan.
2. P. Uma. (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो, तो:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

KAKINADA

दिनांक 25 जनवरी, 1975

Ref. No. J. No. I(305)KR/74-75/Acq. File No. 150.—
I. K. Subbarao.

यतः मुझे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 10/154-D/4 10th ward है जो Gudiwada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

Gudiwada

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जिन्हें said Act या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः, अब, उक्त अधिनियम द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna District—Gudiwada Sub-Registrar—Gudiwada Municipality Gudiwada Town—10th Ward—No. 10/154-D/4—Double Storied Building 452 Sq. Yds.

BOUNDARIES

East : Patunuri Surya Prakasarao's site
South : Municipal Road
West : Municipal Road
North : Site of G. Narayanarao etc.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज

KAKINADA

दिनांक : 11-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

भोपाल दिनांक 12 फरवरी 1975

निर्देश सं० एस० आर०/भोपाल/28-6-74—यतः मुझे एम० एफ० मुंशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान बना हुआ है, जो काली धोबन की गली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में भारतीय रजिस्ट्री-कृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-496GI/74

1. श्री प्रेमप्रकाश पुत्र श्री सेठ सावलदाम अग्रवाल निवास लखेरपुरा भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नफी साबी पति मोहम्मद इब्राहीम खान निवास इतिवारा काली धोबन की गली भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान बना हुआ इन्साइड गली काली धोबन, म्युनिस्पल वार्ड नं० 13, भोपाल।

एम० एफ० मुंशी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 12-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी, 1975

सं० एस० आर०/रायपुर/17-6-74-यतः, मुझे, एस० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 21 है, जो राम सागरपारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर के अन्तरक के दायित्वमें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और। या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लीलाधर पुत्र श्री हेमराज अन्नवाल गोदयारी- रायपुर
2. श्रीमती गुलाबबाई पति श्री आसकाराम नागर सदर बाजार रायपुर (3) श्री बुलाकीचन्द्र पुत्र श्री रतन लाल आसवाल राम-सागर पारा रायपुर (4) श्री गणेशमल पुत्र श्री आसकरन नागर निवास सदर बाजार रायपुर (5) श्री आसकरन पुत्र श्री जासहराव नगर निवास सदर बाजार, रायपुर।

2. मैसर्स मुन्नालाल पुत्र श्री केसरी जन्द (फर्म) गंजपारा रायपुर द्वारा पार्टनर-—

3. श्री मुन्नालाल पुत्र श्री सदासुख निवासी गोदयारी रायपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21/617 रामसागर पारा, रायपुर।

एस० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 22-2-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज, भोपाल

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी, 1975

सं० एस० आर०/दुर्ग/5-6-74—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि सीट नं० 13 है, जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुलोचना जोशी पत्नी श्री पादरी इरेनियस जासफ पाम चरस्टिन चर्च अपोजिट दुर्ग रोडवे दुर्ग भिलाई रोड, दुर्ग।
(अन्तरक)

2. श्री अविनाशचन्द्र वल्द जसपत राय सिन्धी बंगला नं० 20, 32 बंगला एरिया भिलाई, एगरीमन आफिस, दुर्ग।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सीट नं० 13 प्लॉट नं० 14 एरिया 6180 स्क्वायर फिट, दुर्ग।

एम० एम० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 12-2-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

अर्जन रेंज, भोपाल

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० एस० आर०/रायपुर/17-6-74—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो मोदहापारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-74

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपेक्ष से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद अब्दुलवाशा पुत्र श्री मोहम्मद मजीद (मद्रासी मुसलमान) निवास—मोदहापारा, रायपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कुसुम अग्रवाल पति श्री रूपनारायण अग्रवाल निवासी गोली बाजार, विलासपुर मौजूदगी—मधु स्वीट्स मोटर्स स्टेशन, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव का मकान मोदहापारा नं० 5/562/रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी,

दिनांक : 12-2-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोपाल

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी, 1975

सं० एस० आर०/नरसीगापुर/24-6-74—यत, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 278 है, जो नरसीगापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसीगापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-6-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : -

1. श्री जमुनाप्रसाद साहू पुत्र श्री हुषासीराम साहू निवास नरसीगापुर, तह० नरसीहपुर। (अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री तारा चन्द जैन निवास सागर, बड़ा बाजार, सागर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 278 नरसिंगपुर 73' × 32' 6"

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 12-2-75

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० एस० आर०/नरसीगपुर/24-6-74—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान बना हुआ है, जो नरसीगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसीगपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-6-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जमुनाप्रसाद पुत्र श्री हुलासीराम साहू निवास नरसीगपुर (अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र कुमार पुत्र श्री ताराचन्द जैन बड़ा बाजार सागर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 278 नरसीगपुर 73'×32' 6"

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० एस० आर०/इन्दौर/14-6-74—यतः, मुझे, एम०
एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारियों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी सं० मुनिस्पल नं० 9 है, जो राज-
वाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भार-
तीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-6-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के में सुविधा के लिए सुकर बनाना और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-
घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रामचन्दर पुत्र श्री श्रीकिशन राठौर निवास 14 चतरी-
पुरा, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती उम्माबाई पति श्री रामनारायण -(2) सुन्दरलाल
(3) प्रकाशचन्द (4) सुभाषचन्द सभी पुत्र श्री रामनारायण
निवास-19 राजवाड़ा चौक, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बादमें
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिस्पल मकान नं० 9, तीन मंजिला, राजवाड़ा, अहिल्या
चौक, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-2-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० एस आर०/बिलासपुर/20-6-74—यसः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-74

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बैजनाथ चन्द्रावरकर एडवोकेट पुत्र श्री भवन्लाल चन्द्रावरकर निवास डबरीपारा बिलासपुर। (अन्तरक)

2. श्री बिशेश्वर लाल चन्द्रावरकर (2) श्री रामेश्वर लाल चन्द्रावरकर बोध पुत्र श्री श्यामलाल चन्द्रावरकर निवास किसान-गढ़, बिलासपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए गुरु कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान खुले मैदान में प्लॉट सर्वे नं० और प्लॉट नं० 293 8/40 (पाटै) बिलासपुर पी० सी० नं० 110 सटेलमैट नं० 60 तह० जिला—बिलासपुर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12-2-1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० एस० आर०/राजस्वसां०/1-6-74—यत, मुझे, एस० एफ० मुन्शी आगकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम का जया है की धारा 269 ख के अधीन रक्षण प्र धिदाई को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मजदूर मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी स० भूमि खसरा न० 139/4 है, जो मानकी से स्थित है, (और इससे उपाय आगकर की से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-ती अधिदारी के दायरत्व, राजस्वगाव में भारतीय रजिस्ट्री-कृत अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन 1-6-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाशर मूल में कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रार के लिखित के अनुसार अन्तरण की गई है और इसके एक लिखा जाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाशर मूल, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रविणत अधिक है और अन्तरण आवश्यक है और अन्तरण (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, इसी रित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बढ़ी जाती विद्या गया है :-

(क) अन्तरण से हुई निम्नी आद की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अधिनियम करने के अन्तर्गत के दायित्व से सभी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, सुन्दर वनना और/या

(ख) ऐसी ज़मीनें आया या मिली घन या तरल अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयुर्वेद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयुर्वेद अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका प्रयोग नहीं किया जा, जिसमें से सुविधा के लिए सुझाव देना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 200-ए के अन्तर्गण
में, मैं उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
8-496GI/74

269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

1. श्री चन्द्रकुमार दास और राजकुमार दास पुत्र श्री भगवान दास वैष्णव निवास गाव मनकी, राजनन्दगांव। (अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन कुमार पुत्र श्री रामजीदास लेखी कैलाश नगर
राजनन्दगाव ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध से कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उचित स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 26-ब में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीजल्व भूमि खमरा नं० 139/4 एरिया 10 00
एगरीम माही इन्सुलन्डिंग मकान और कुआ, इत्यादि, मनकी ।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख . 12-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1975

निर्देश सं० एस० आर०/विदिशा/13-6-74—यतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड न० 17 है जो विदिशा में स्थित है (और इसके सम्बन्ध में सूची में और पूर्णतया वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विदिशा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेसर्स नेमाजी कस्तूरचन्द्र नयापुरा उज्जैन द्वारा पार्टनर्स एण्ड अथॉरिटी।

श्री/बाबू लाल पृथ्वी/मुन्ना लाल विदिशा। (अन्तरक)

(2) मेसर्स विदिशा ओटो सर्विस विदिशा द्वारा पार्टनर्स श्री राधेश्याम पुत्र मदन लाल पालोद विदिशा (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिआक्षेप में कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में सम्मान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट बना हुआ वार्ड न० 17 विदिशा।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० एस०आर०/इन्दौर/6 जून, 1974-यतः मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान, शिवला पिलेस है जो राजवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6 जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिये सुकर बनाना

अतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम 1961 (1961-43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः

(1) श्रीमती चन्दाबाई पति सुखान लाल जैन 69 पान्डीनाथ मार्ग अड़ा बाजार इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मानिक बाई पति श्री रामचन्द्र अग्रवाल
2. श्री मोहन लाल पुत्र श्री रामचरण
अग्रवाल द्वारा मानक बाई 176 तिलक पट्टी इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पाट मकान ए०/1 साथ में शिवबिलास पेरिस कपाउन्ड राजवाड़ा इन्दौर

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-2-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 फरवरी, 1975

निदेश सं०एस०आर०/इन्दौर/1-6-74—यतः, मुझे, एम०एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह प्रकाश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्रोपर्टी 71 है, जो पारसी मोहल्ला में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुमति अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरगिनियों) के बीच लगभग पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, गिनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वर्णित रूप में वर्धित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई शर्मा धन की नाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण से दिये जाने वाले अर्जन या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी-आय या किराई धन या अन्य आयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग में अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जा रहा है, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मार्गा लाल सोवा लाल जैन 21 पारसी मोहल्ला इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जारोवर वाई पति श्री छगन लाल 21 पारसी मोहल्ला इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा बार्दवहिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में सम्बन्धित व्यक्तियों पर सूचना दी जायेगी कि वे इसकी अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पत्ति में हो, के प्रति पूर्णतः पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति को;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त बाजार मूल्य में हितबद्ध किसी व्यक्ति के पास, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—यह प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में व्याख्यानित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी 71 पारसी मोहल्ला इन्दौर

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 13-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 फरवरी, 1975

स० एस०आर०/रतलाम/16/6/74 —उक्त, मुझे, एम० एफ मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है, की धारा) 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी स० मकान नं० 21/101 है, जो कोटावाला हवेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितिया) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्थात् :—

(1) श्री इन्लीगं जी ट्रेस्ट उदयपुर, राजस्थान साइड (अन्तरक)

(2) सान्ती बायना निवास बहादुर बाजार कोटा राजस्थान (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21/101 कोटावाला की हवेली जैपोलिय गेट रतलाम।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, भोपाल।

तारीख . 13-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 13 फरवरी 1975

निर्देश सं० एस० आर०/सागर/4-6-74—यत्, मुझे, एम० एफ० मुंशी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम बहा गया है। की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्न उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 151/2 है, जो परकोटावार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सकर बनाना :—

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कैलाश कुमार 2. रूपनारायन 3. शिवसरूप सभी पुत्र श्री लक्ष्मन प्रसाद मिश्रा निवास परकोटा, सागर (अन्तरक)

2. श्री प्रकाशचन्द्र 2. श्री मन्नालाल

3. श्री विनोद कुमार 4. श्री मकेश कुमार पुत्रगढ़ श्री कोमल जैन मां श्रीमति सन्ताबाई पति श्री कोमलचन्द जैन निवास जवाहरगज-सागर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 151/2 परकोटा वार्ड, सागर

एम० एफ० मुंशी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 13-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय भोपाल

भोपाल दिनांक, 13 फरवरी 1975

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/15-6-74—यतः मझे, एम० एफ० मुंशी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खली-पूर्ति है, जो कंचनबाग कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाया और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1, श्री मदन लाल मुबलाल किमती पुराना रतनाम कोठी इन्दौर (अन्तरक)

2, श्री गजेन्द्र चान्द मल गर्ग (2) विदेश चान्दमल गर्ग निवास 21/22 दुकमचन्द मार्ग इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति के पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथावधि भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला मैदान भूमि रतलम कोठी पास कंचन बाग कालोनी इन्दौर

एम० एफ० मुंशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 13-2-75
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-हैदराबाद

दिनांक 7 फरवरी, 1975

स० आर०ए०सी० 98/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जिसे इसमें इस के पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी
सं 22-8-298 का भाग है जो नयापूल में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 1) के अधीन,
19-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में बन्नी करने या
उससे बचने के लिए सुविधा के लिये सुकर
बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम
उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उक्त (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सय्यद अब्दुल बाहब, "गुलिस्तान", खैरताबाद,
हैदराबाद (अन्तरक)

कुमारी इखबाल बेगम, 10-2-347/ आसीफ नगर,
हैदराबाद (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप
हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—22-8-298 का भाग, स्टेट टाकीज, नया-
पूल के नजीक, हैदराबाद (2/25 का हिस्सा)।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-75

मोहर:

**संघ लोक सेवा आयोग
नोटिंग**

भारतीय प्रशासन सेवा आर्षि परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1975

सं० एफ० 1/6/74-ई० I (बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 15 मार्च, 1975 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवा वर्गों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा

अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, बिसपुर, (गोहाटी), हैबराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा लंबन में 6 अक्टूबर 1975 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों की परीक्षा की समय-सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिये उपाखण्ड-II का पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवा/पदों में भर्ती की जानी है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों की रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है :—

वर्ग- I

- (i) भारतीय प्रशासन सेवा — *
तथा
- (ii) भारतीय विदेश सेवा 25 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 4 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

वर्ग -II

- (i) भारतीय पुलिस सेवा *
तथा
- (ii) दिल्ली तथा अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा, क्लास II 5**
- (iii) रेल सुरक्षा दल में सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेंट/एडजुटेंट क्लास II के पद 2**

वर्ग III

(क) क्लास I की सेवाएं :—

- (i) भारतीय डाक-तार *
लेखा तथा वित्त सेवा
- (ii) भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा 12**

- (iii) भारतीय सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा 35**
- (iv) भारतीय रक्षा लेखा सेवा 10 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
- (v) भारतीय आयकर सेवा: 80 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 12 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 11 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
(क्लास I)
- (vi) भारतीय आयुद्ध कार-खाना सेवा, क्लास-I 5 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 रिक्ति सम्मिलित है)।
(सहायक-प्रबन्धक - अप्राविधिक)।
- (vii) भारतीय डाक सेवा *
- (viii) भारतीय रेल लेखा सेवा 9**
- (ix) भारतीय रेल याता-यात सेवा तथा 20**
- (x) सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा, क्लास-I 2 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(ख) क्लास II की सेवाएं :—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधि-कारी ग्रेड क्लास-II 40**
- (ii) भारतीय विदेश सेवा, शाखा, (ख) सामान्य संवर्ग (अनुभाग अधि-कारी ग्रेड) के समेकित ग्रेड-II तथा III *
- (iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय 20 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
मिविल सेवा, सहायक मिविल स्टाफ अधि-कारी ग्रेड, क्लास II

- (iv) सीमा-शुल्क - मूल्य - 10**
निरूपक (एप्रैजर)
सेवा, क्लास-II
- (v) गोवा, दमन और दियु 1 (अनारक्षित)
सिविल सेवा, क्लास-II
तथा
- (vi) पाँडिचेरी सिविल सेवा 1 (अनारक्षित)
क्लास-II

*रिक्तियाँ सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियाँ, यदि कोई हों, तो उनकी संख्या सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

यदि केन्द्रीय सरकार के अधीन निम्नलिखित सेवाओं में रिक्तियों की उपलब्धता आयोग को समय पर सूचित कर दी गई तो, वर्ग-II/वर्ग-III की सेवाओं के लिए परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों पर निम्नलिखित सेवाओं के लिए भी विचार किया जा सकता है :—

1. दिल्ली और ग्रंडमान तथा निकोबार सिविल सेवा क्लास-III
2. सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा क्लास-II
3. रेल बोर्ड सचिवालय सेवा (अनुभाग अधिकारी ग्रेड) क्लास-II
4. पाँडिचेरी पुलिस सेवा, क्लास-II
5. गोवा, दमन तथा दियु पुलिस सेवा, क्लास-II

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवा वर्गों में से किसी एक अथवा एक से अधिक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बाद आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ब. यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा-वर्गों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाबन्ध I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उसे प्रत्येक सेवा-वर्ग के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वे संबद्ध वर्ग/वर्गों में से किन किन सेवाओं के लिए उम्मीदवार बनना चाहते हैं और उनकी वरीयता क्रम क्या है। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे यथेष्ट संख्या में वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर भली-भाँति विचार किया जा सके।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिये। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा में संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज-

कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011), को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता, तथा परीक्षा का नाम बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 12 मई 1975 (12 मई, 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 26 मई 1975) तक या उससे पूर्व अवश्य पहुँच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबन्ध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट निति से अवश्य करें

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध I के पैरा 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. यदि कोई उम्मीदवार, 1974 में ली गई भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा फल/या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुँच जाए। यदि वह 1974 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1975 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबन्ध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

8. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अशोक चन्द्र बंधोपाध्याय सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबंध - I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 80.00 (अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 20.00) के **रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में** देय किए गए बैंक ड्राफ्ट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबद्ध भारतीय मिशन में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे रु० 54.00 (अनुसूचित जातियों को और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था और नोटिस के पैरा 7 में उल्लिखित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबंध- II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से सम्बद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख ले कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग यदि चाहे तो, विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 12 मई 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेश या अंशमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो व्यक्ति पहले ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रसारित कर्मचारियों की हैसियत से कार्य कर रहे हैं उन्हें अपने आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजने चाहिए जो आवेदन-प्रपत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर उन्हें आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को अपने ही हित में अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रतियाँ सीधे आयोग को भेज देनी चाहिए। यदि इनके साथ निर्धारित शुल्क प्राप्त होता है तो इन पर अंतिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन पत्र सामान्यतः अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर आयोग के पास पहुँच जाना चाहिए। किन्तु सरकारी सेवा में पहले से ही लगा कोई व्यक्ति यदि अपने आवेदन पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के साथ प्रस्तुत नहीं करता है या उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अग्रिम प्रति आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होता है तो विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष के माध्यम से उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा जो आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है।

गैर सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिये जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता का मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाबंध I)।

- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की पांच एक जैसी प्रतियां ।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5) ।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राज-पत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों । जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी । परिणामों के फरवरी, 1976 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है । उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए । जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर उस समय नहीं भेजेंगे उनका उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों को कोई वाधा नहीं होगा ।

मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (iv) और (vi) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



तथा इस प्रकार भरा जाए :—Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

किमी अन्य आकषर पर देग पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । विरूपित या फटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

सभी पोस्टल आर्डर पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है ।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इन्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इन्डिया पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए ।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 80.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 20.00 बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थिति भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाए और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्षक "051 Public Service Commission Exam. Fees" में जमा किया जाए । उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे ।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्व-विद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो । जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत कर सकता है ।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त बैकलिपिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं ।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं । ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हजमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की थी । एक प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वारतविक आयु लिखी होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रीकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस अधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबंध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

(iv) फोटो की पांच प्रतियाँ—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें०मी० × 7 सें०मी०) के फोटो की पांच एक जसी प्रतियाँ भेजनी चाहिए इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र पर चिपका देनी चाहिए और शेष चार प्रतियाँ आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए ?

ध्यान दें—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई गपिल नहीं गयी जाएगी। यदि कोई प्रमाण पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए

और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिस में उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिक्षा किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पवों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*.....

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री.....
जो गांव / कस्बा*.....
जिला/ मंडल*.....
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र.....
के/की* निवासी है,.....
जाति/जन* जाति के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन* जाति के रूप में मान्यता दी गई है :

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन-जातियाँ) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, [अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आशोधन आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित]।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1962* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1962* ।

संविधान (पांडीचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)
आदेश, 1967* ।

संविधान गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,
1968* ।

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन
जातियां आदेश, 1968* ।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970* ।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*.....
और/या* उनका परिवार ग्राम तौर से गाव/कस्बा*.....
जिला/मंडल*
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*.....
में रहते/रहती* हैं ।

हस्ताक्षर.....

**पदनाम.....

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान.....

तारीख.....

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों कृपया उन्हें काट दें ।

नोट :—यहां ग्राम तौर से रहते/रहती हैं “शब्दों का
अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ दि पीपुल एक्ट, 1950”
की धारा 20 में है ।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने
के लिए सक्षम अधिकारी :—

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/
कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/
डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टेशनपैडरी मैजिस्ट्रेट/
सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक
मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट
कमिशनर ।

†(प्रथम श्रेणी के स्टेशनपैडरी मैजिस्ट्रेट से कम अधिकारी नहीं) ।

(ii) चीफ प्रेसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेन्सी
मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम
न हो ।

(iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार
और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो ।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिप्लेप-
मेंट अफसर लक्षदीप ।

5. (i) नियम 7 (ख) (ii) या 7 ख (iii) के अंतर्गत निर्धारित
आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पाकिस्तान से विस्था-
पित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये
गये प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी
चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक
विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु
25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है :—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा त्रिभुज
राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प
कमांडेंट ।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय
निवास कर रहा है ?

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी
अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन
का सब-डिवीजनल अफसर ।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक
(पुनर्वास) कलकत्ता ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क से छूट चाहता
है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के
किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल
के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित
प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धा-
रित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(ii) नियम 7 (ख) (vi) अथवा 7 (ख) (v) के
अंतर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से
प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च
आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक
प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है
जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1
नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है
तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार
के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद
या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिये गये
प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित
शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iii) नियम 7 (ख) (viii) अथवा 7 (ख) (ix) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्र एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का निवासी है उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राज्य राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 7 (ख) (vii) के अन्तर्गत आया सीमा में छूट चाहने वाले केनिया, उगांडा तथा संयुक्त गण-राज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आये हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(v) नियम 7 (ख) (x) अथवा 7 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनः स्थापना रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के रैंक नं०----- श्री----- रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

दिनांक-----

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 7 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले गोआ, दमन दियु के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिये निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी

एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए:—

(1) सिविल प्रशासन का निदेशक

(2) कौंसलहौस के प्रशासक

(3) मामलातदार

(vii) नियम 7 (ख) (xii) 7 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के रैंक नं०-----सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

तारीख-----

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे, अभिष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मन्त्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योग न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न ही उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियां में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा में सम्बंध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं तथा पिछले वर्षों में ली गई परीक्षाओं के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर "व्यक्तित्व परीक्षा" हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार को दिए गए विस्तृत अंकों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियतक सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी' ब्लाक बाबा खड़ग सिंह मार्ग नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमट आफ इंडिया बुक डिप्टी, 8 के० एस० राय रोड कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये

पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंसी से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार—आवेदन-पत्र संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बचते हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th February 1975

No. A 12019/5/74-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated the 18th December, 1974, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to continue to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Analyst in the Commission's office with effect from 11th February, 1975 to the 28th February, 1975.

Shri Chhabra will continue to be on deputation to an ex-cadre post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Secretary
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th February 1975

No. PF/L-1/73-AD.V.—On attaining the age of superannuation, Shri L. S. Darbari, DIG, CBI on deputation as Director, Intelligence, Railway Board, retired from Govt. service with effect from the Afternoon of 31st Jan., 1975.

The 17th February 1975

No. PF/L-1/74-AD.V.—The President is pleased to promote Shri Lala Prasad, Deputy Central Intelligence Officer of Central Finger Print Bureau, to officiate as Director, Central Finger Print Bureau, Calcutta, C.B.I. with effect from the forenoon of 1st February, 1975 until further orders.

The 18th February 1975

No. 3/18/74-AD.V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri C. Anjaneya Reddy, an I.P.S. Officer of Andhra Pradesh Cadre as Supdt. of Police, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from forenoon of 10th February, 1975, until further orders.

Shri E. Sampath Rao, I.P.S. Andhra Pradesh was relieved of his duties as SP/CBI/S.P.E. on the forenoon of 10th Feb. 1975. His Services were placed back at the disposal of the State Government.

No. PF/D-5/69-AD.V.—Shri D. P. N. Singh, Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Ranchi relinquished charge of his office of Supdt. of Police in the C.B.I. S.P.E. on the afternoon of the 26th December, 1974 on repatriation to his parent state.

The 20th February 1975

No. N-34/65-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, S.P.E. hereby appoints Shri N. V. Jadeja, a deputationist Dy. Supdt. of Police from Gujarat State Police, as Deputy Superintendent of Police in the C.I.A (I) Branch of C.B.I./S.P.E. with effect from 9-1-75 (FN), until further order.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE
New Delhi-110001, the 13th February 1975

No. F-8/2/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri M. A. Sheldekar, Dy.S.P. of 36th Bn, CRPF with effect from 16-10-1974.

No. F-8/3/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Sandeep Kumar, Dy.S.P. of 17th Bn CRP Force, w.e.f. the afternoon of 11th January, 1975.

No. O II-909/73-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. Rajendra Singh Ranjit relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, 39th Bn., CRPF on the afternoon of 11th Feb., 1974.

No. F-4/17/74-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad hoc* basis, Shri J. N. Mathur, Dy. SP (Coy. Commander) as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of Dy. Superintendent of Police (Company Commander) GC, CRPF, New Delhi on the afternoon of 27th January, 1975 and took over charge of the post of Assistant Commandant, GC, CRPF, New Delhi on *ad hoc* basis on the afternoon of 27th Jan., 1975.

No. O II-1202/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri Ajit Kumar Ghosh of Orissa State Police as Dy. SP (Coy Comdr/Quarter Master) in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Dy.SP in 13th Bn. CRP Force on the afternoon of 17th January, 1975.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
New Delhi-110003, the 10th February 1975

No. F-38013(3)/7/74-Ad.I.—Shri R. Seshadri, Assistant Commandant (Junior Administrative Officer), Southern Zone, Central Industrial Security Force, Madras Port Trust, Madras, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 18th December, 1974 and Shri T. P. Balakrishnan Nambiar assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Madras Port Trust, Madras, with effect from the forenoon of the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector Bhagwati Prasad to officiate as Assistant Commandant Central Industrial Security Force, Unit National Mineral Development Corporation, Kiriburu with effect from the forenoon of 24th January 1975, until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
New Delhi-110011, the 14th February 1975

No. 10/6/75-AdI.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Chaturvedi, Assistant Director (Data Processing) in the office of the Registrar General India as Deputy Director (Data Processing) in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 17th February, 1975 *vice* Shri C. S. Rao reverted to the Indian Statistical Service with effect from that date.

2. The President is also pleased to appoint Shri K. R. Unni Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India as Deputy Director (Programme) in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis

for a period of six months with effect from the forenoon of 17th February, 1975.

3. The headquarters of S/Shri S. N. Chaturvedi and K. R. Unni will be at New Delhi.

No. 25/40/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri Sukumar Sinha, an officer of the West Bengal Civil Service (Executive Branch), as Deputy Director of Census Operations, West Bengal in a substantive capacity with effect from 1st January, 1975.

2. The headquarters of Shri Sinha will be at Calcutta.

The 15th February 1975

No. 25/32/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/32/74-RG(Ad.I) dated 11 December 1974, the President is pleased to continue the appointment of Shri G. S. Kanekal, Deputy Secretary, Karnataka Pay Commission, Bangalore, as Deputy Director of Census Operations Karnataka, in an *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 1 January 1975 upto 28 February 1975.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secretary

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 20th February 1975

No. Admn.I/5-5/Promotion/74-75/2815.—The Accountant General Central Revenues, has appointed Shri S. S. Kaura permanent Section Officer, to officiate as Accounts Officer, in the scale of Rs. 840-1200, w.e.f. 1-2-75 until further orders.

H. S. DUGGAL
Senior Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR
Ranchi, the 17th February 1975

No. OE-I-Audo-PF-AKM-5696.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Amiya Kumar Mitra, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-1-75 (FN).

No. OE-I-Audo-PF-DNJ-5689.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Deep Narain Jha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 30-1-75 (FN).

B. P. SINHA
Sr. Deputy Accountant General (A)
Bihar

KERALAYA NIDESHAK LEKHA PARIKSHA
TATHA TEKHA DAK TAR

Kapurthala, the 21st February 1975

NOTICE

No. Admn.6/PF/996.—Shri Avtar Singh S/o Shri Amolak Singh previously clerk of this office remained on unauthorised absence on 7-12-73, 26-12-73 to 31-12-73, 1-1-74, 7-1-74 and onwards. After following the necessary disciplinary proceedings under the Departmental rules it was decided to remove him from service w.e.f. 7-2-75 (F.N.). As the notice of termination of his services sent under Regd. cover at available address with this office has been received back undelivered it is hereby notified that Sh. Avtar Singh S/o Sh. Amolak Singh stands removed from service w.e.f. 7-2-75 (F.N.).

KARNAIL SINGH
Accounts Officer I/C,
P&T Kapurthala

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi-1, the 17th February 1975

No. 5076/A-Admn/130/74.—The Director of Audit, Defence Services, New Delhi is pleased to appoint Shri K. K. Miglani, Substantive member of the SAS to officiate as Audit Officer in the Office of the Asstt. Director of Audit, Defence Services, Bangalore, w.e.f. 29-1-1975 (FN) until further orders.

The 18th February 1975

No. 5126/A-Admn/130/74.—On his superannuation Shri T. N. Natarajan, Asstt. Director of Audit, retired from service with effect from 31-1-75 (AN).

SMT. GIRIJA ESWARAN
Sr. Dy. Director of Audit, DS

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22 the 13th February 1975.

No. 40011(2)/74-ANA. (1)—Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Rule 48 of C.C.S. (Pension) Rules 1972 and the same having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri S. Krishnamurthy, Officiating Accounts Officer (Roster No. 0/212) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 5.3.75.

(2) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. No.	Name with roster number	grade	Date from which transferred to the pension establishment.	Organisation
1.	Shri M. Rajagopal (P/142)	Permanent Accounts Officer	30.4.75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pension) Allahabad.
2.	Shri B. R. Valsh (P/659)	Permanent Accounts Officer	31.3.75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi the 12th February, 1975

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 5/8/70 Admn. (G)—The Chief Controller of Imports and Exports hereby confirms the following officer in the post of Assistant Controller of Imports and Exports (re-designated as controller of Imports and Exports with effect from 1.2.1970) in the Import and Export Trade Control Organisation

Ministry of Commerce with effect from the date mentioned against him :—

S. N.	Name	Date from which confirmed	Vacancy against which confirmed
1.	Shri E. W. Lyngdoh	1.12.67	Against permanent posts sanctioned by the late Ministry of Foreign Trade with effect from 1.1.1967 vide letter No. 6/101 66-E.III dated 19.12.1970.

A. T. MUKHERJEE
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Export

New Delhi, the 19th February 1975

No. 6/1011/73-Admn(G)/1337.—On attaining the age of superannuation, Shri L. N. Bhardwaj, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st January, 1975.

No. 6/391/56-Admn(G)/1331.—On attaining the age of superannuation, Shri V. T. Merani relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports, in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on 30-11-1974 (AN).

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th February 1975

No. A-19011(44)/70-Estt.A.—On the acceptance of the resignation tendered by Shri Ajoy Kumar, permanent Assistant Controller of Mines and officiating Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, by the competent authority, Shri Ajoy Kumar has been relieved of his duties and struck off from the strength of this department with effect from the afternoon of 10th February, 1975.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 12th February 1975

No. A-1/1(1011).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following persons as Assistant Directors (Grade II) on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 1st January, 1975 and until further orders :—

- (i) Shri T. Narasingha Rao, Dock Inspector in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras appointed as Assistant Director (Grade II) in the same office at Madras.
- (ii) Shri N. L. Parmeswaran, Dock Inspector in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay appointed as Assistant Director (Grade II) in the same office at Bombay.

(iii) Shri B. K. Behal, Superintendent in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay appointed as Assistant Director (Grade II) in the same office at Bombay.

(iv) Shri K. S. Menon, Superintendent in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay appointed as Assistant Director (Grade II) in the same office at Bombay.

2. The appointments of S/Shri T. Narasingha Rao, N. L. Parmeswaran, B. K. Behal and K. S. Menon as Assistant Directors (Grade II) are purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Admn.)

New Delhi-1, the 17th February 1975

No. A-1/1(688).—Shri S. M. Mukherjee permanent Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Dy. Director General (S&D), Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1974 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(819).—Shri M. N. Kandaswamy permanent Superintendent and officiating as Assistant Director of Supplies in the office of the Director of Supplies and Disposals Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1975 after attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(623).—Shri Rajeshwar Nigam permanent Junior Field Officer and officiating as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-6/247(313)/61.—Shri Hargopal, Inspecting Officer (Engg.) in Grade III of Indian Inspection Service, Class I in the N.I. Circle, New Delhi under the Dte. General of Supplies & Disposals, retired from service w.e.f. the afternoon of 31-1-75 on attaining the age of superannuation.

The 18th February 1975

No. A-1/1(1016).—The Director General of Supplies & Disposals, hereby appoints Shri O. P. Kapoor, Jr. Field Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on *ad hoc* basis, as Assistant Director of Supplies (Gr. II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st February 1975 and until further orders.

The appointment of Sh. Kapoor as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and subject to the result of civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

The 20th February 1975

No. A-17011(85)/75-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri H. N. Chakrabarty, Examiner of Stores (Tex.) in the Calcutta Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Tex.) in the Bombay Inspection Circle, with effect from the afternoon of 31-1-75, until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 30th November 1974

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-II(7) dated the 11th July, 1969, add the following, namely :

Under Class 2—NITRATE MIXTURE

(i) add "POWEREX" before the entry "POWERFLO-1"

(ii) add "POWERPLAST" after the entry "POWERITE".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th February 1975

No. 5(35)/62-SI.—Shri G. N. Kaushik, Programme Executive Radio Kashmir, Srinagar retired from service with effect from the afternoon of the 30th November, 1974 on attaining the age of superannuation.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th February 1975

No. 16-20/74-SI.—On retirement from Govt. service Shri R. K. Mitra, Assistant Depot Manager in the Medical Store Depot, Karnal relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 30th November, 1974.

P. C. KAPUR
for Director General of Health Services

New Delhi, the 18th February 1975

No. 1-29/69-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. K. K. Mathen, Professor of Statistics, All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, retired from service with effect from the afternoon of 30th November, 1974.

S. P. JINDAL
Deputy Director of Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

(BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the 15th February 1975

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade and Ministry of Commerce Notifications No. 125, 126, 127 Dt. 15-9-1962, No. 1131, 1132 Dt. 7-8-1965, No. 2907 Dt. 5-3-1971, No. 3601-A 3601-B 3601-C Dt. 1.10.1971, No. 3099 Dt. 3.11.1973. and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri M. J. Davis, Senior Inspector to issue Certificate of Grading in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek Seed, Celery Seed and Cumin Seed which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES,

Dehra Dun, the 15th February 1975

No. 16/167/69-Ests-I.—Consequent upon his appointment as a Probationer in the Indian Railway Service of Engineers, Shri P. N. Doraiswamy was relieved of his duties as Assistant Lecturer in Engineering and Surveying at the Southern Forest Rangers College, Coimbatore, on the afternoon of 15-1-1975.

PREM KAPUR
Registrar,

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT

Bombay-400 201, the 4th February 1975

MEMORANDUM

No. 2/397/73-Adm.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rule, 1965, I hereby give notice to Shri Dhanji Rama Lad, a temporary Tradesman 'C' in this Directorate that his service shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is tendered to him.

S. N. Bamboat,
Director of Estate Management.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 16th December 1974

No. AMD-56/2/69-Adm.—In partial modification of Notifications No. 4/4/67-M, dated March 1, 1968, and December 18, 1970 the Director Atomic Minerals Division is pleased to appoint the undermentioned officers of the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a substantive capacity in the same Division, with effect from March 1, 1967 against the permanent posts in that grade :—

1. Shri B. N. V. Raju.
2. Shri K. V. Navaneetham.
3. Dr. C. V. Sharma.
4. Shri D. C. Banerjee.
5. Shri Jagmer Singh.
6. Shri B. Nateshwara Rao.
7. Shri G. Dhanunjya Rao.
8. Shri A. K. Das.
9. Shri S. R. Shivananda.
10. Shri T. N. Parthasarathy.
11. Shri S. P. Balakrishnan.
12. Shri B. K. Setty.
13. Shri K. K. Dwivedi.
14. Shri Rajinder Singh.
15. Shri A. S. Deshpande.
16. Shri S. K. Nashine.
17. Shri S. C. Kulshreshtha.
18. Shri S. P. Hingoraney.
19. Shri H. M. Verma.
20. Shri R. N. Sankaran.
21. Shri S. K. Hansoti.
22. Shri P. K. Srivastava.
23. Shri Govind Singh.
24. Shri S. C. Verma.

G. R. UDAS,
Director.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400-001, the 1st February 1975

No. DPS/A/35011/1/73-Est.—In continuation of this Directorate notification of even number dated July 3, 1974, Director, Purchase and Stores appoints Shri V. R. Natarajan a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Gujarat, on deputation to this Directorate as a temporary Assistant Accounts Officer on an *ad-hoc* basis in the same Directorate for a further period from October 1, 1974 to February 28, 1975.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra-401 504, the 25th January 1975

No. TAPS/A. DM/947.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the *ad-hoc* appointment of Shri Y. R. Velankar as Assistant Accounts Officer for a further period of two months from the forenoon of January 21, 1975.

K. V. SETHUMADHAVAN,
Chief Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti, the 17th February 1975

No. RAPP/00101/74-Adm/R/S/613.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, is pleased to appoint the following officials as Scientific Officer/Engineer Grade SO/SB in a temporary capacity, in the same Project with effect from February 1st, 1975, until further orders :

1. Shri D. S. Dadhwal.
2. Shri P. M. L. Nambiar.
3. Shri K. L. Sharma.
4. Shri N. S. Gehlot.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th February 1975

No. A.12025/6/74-EC.—The President has been pleased to appoint Shri R. K. Maheshwari as a Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department on a temporary basis with effect from the 11th November, 1974 (forenoon) until further orders.

The 15th February 1975

No. A.32014/2/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned communication Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Communication Officers in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against their names :—

S. No., Name, Date from which appointed Station to which posted

1. Shri R. P. Khurana, 11-12-74 (F/N)—A.C.S. Lucknow.
2. Shri R. Swaminathan, 12-12-74 (F/N)—A.C.S. Nagpur.
3. Shri J. George, 26-12-74 (F/N)—A.C.S. Gauhati.
4. Shri N. G. N. Menon, 14-1-75 (F/N)—A.C.S. Bombay.
5. Shri I. Lal Raura, 12-1-75 (F/N)—A.C.S. Calcutta.

No. A.38012/1/75-EC.—Shri S. K. Gupta, Senior Communication Officer in the Office of the Regional Director, Calcutta Airport, Dum Dum relinquished charge of his office on the 31st December, 1974 (afternoon) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 17th February 1975

No. A.12025/1/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Srivastava, Assistant Aircraft Inspector, Civil Aviation Department as Aircraft Inspector in the office of the Controller of Aeronautical New Delhi, with effect from the 24th January, 1975 (F.N.) in an officiating capacity and until further orders.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 14th February 1975

No. A-12026/4/74-E(H).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. C. Bhatia, officiating Accounts Officer of the office of the Accountant General, P.&T., Delhi, as Accounts Officer in the Headquarters office of the Civil Aviation Department, New Delhi, on deputation in the scale of pay of Rs. 840-40-1000—EB-40—1200 with effect from the forenoon of the 11th February 1975, and until further orders.

The 19th February 1975

No. A-32013/3/75-E(H).—The President is pleased to appoint Shri G. R. Kathpalia, Director of Air Safety as Deputy Director General on an *ad-hoc* basis in the Civil Aviation Department with effect from the forenoon of the 12th February, 1975, and until further orders.

T. S. SRINIVASAN,
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 18th February 1975

No. A.32013/5/74 EA.—The President is pleased to appoint Shri D. Ramanujam Assistant Aerodrome Officer to the post of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department on a purely *ad-hoc* basis with effect from the 11th February, 1975 and until further orders. He is posted at Safdarjung Airport, New Delhi.

The 19th February 1975*

No. A.26015/1/74 EA.—In supersession of this Deptt. Notifications, 1. A33023/1/72EA, dated 6-6-73, 2. A33023/1/72EA, dated 8-7-73, 3. A33023/1/72EA, dated 17-10-73, 4. A33023/1/72EA, dated 13-2-74, 5. A33023/1/72EA, dated 19-2-74, 6. A33023/1/74EA, dated 1-8-74, 7. A33023/1/74EA, dated 7-9-74 and 8. A33023/1/74EA, dated 21-11-74, the Director General of Civil Aviation hereby appoints the following persons to the grade of Assistant Aerodrome Officer, Class II, Gazetted post, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in the scale of Rs. 650-30-700-740-35-810-1-B-35-880-40-1000-EB-40-1200, in a temporary capacity, with effect from the dates mentioned against their names and until further orders :—

Serial No., Name and Date

1. Shri U. V. Thengadi—8-1-1973.
2. Shri V. S. Mulekar—8-1-1973.
3. Shri S. C. Huria—8-1-1973.
4. Shri M. Venkataramana—8-1-1973.
5. Shri G. S. Ganesan—8-1-1973.
6. Shri R. S. Raiker—8-1-1973.
7. Shri M. S. Sindhu—8-1-1973.
8. Shri D. Kuppan—8-1-1973.
9. Shri S. Raina—8-1-1973.
10. Shri B. N. Jaisimha—8-1-1973.
11. Shri Param Hans Sharma—8-1-1973.
12. Shri A. Sahu—8-1-1973.
13. Shri G. K. Verma—8-1-1973.
14. Shri Ranjit Kumar—9-1-1973.
15. Shri G. S. Kalsi—30-1-1973.
16. Shri J. S. Khurana—29-1-1973.
17. Shri R. S. Deswal—29-1-1973.
18. Shri P. Ohri—29-1-1973.
19. Shri K. S. Aujla—29-1-1973.
20. Shri Shri Krishan—29-1-1973.
21. Shri Shri B. Shaha—29-1-1973.
22. Shri J. K. Burman—29-1-1973.
23. Shri H. C. Malik—29-1-1973.
24. Shri V. K. Joshi—29-1-1973.
25. Shri S. S. Parate—29-1-1973.
26. Shri H. R. Joshi—29-1-1973.
27. Shri S. J. Singh—26-2-1973.
28. Shri Daljit Singh Chatrath—26-2-1973.
29. Shri C. M. Kottiath—26-2-1973.
30. Shri B. N. Singh—26-2-1973.
31. Shri S. P. Mody—26-2-1973.
32. Shri K. S. Saini—26-2-1973.
33. Shri Ishwari Prasad—26-2-1973.
34. Shri S. K. Vora—26-2-1973.
35. Shri R. P. Singh—26-2-1973.
36. Shri Dewan Bakshi—27-2-1973.
37. Shri Raj Kumar—6-3-1973.
38. Shri K. P. S. Nair—9-3-1973.
39. Shri R. S. Jaswal—27-2-1973.
40. Shri Raju Thengath—21-5-1973.
41. Shri S. K. Saha—21-5-1973.
42. Shri A. K. Jha—21-5-1973.
43. Shri K. K. Mahrotra—21-5-1973.
44. Shri B. N. Prasad—21-5-1973.
45. Shri A. K. Lakhiyar—21-5-1973.
46. Shri Sunil Mehta—21-5-1973.
47. Shri P. S. Narayanan—24-5-1973.
48. Shri V. K. Yadav—25-5-1973.
49. Shri Abdesb Prasad—28-5-1973.
50. Shri C. P. Purushothaman—10-9-1973.
51. Shri K. Subramanyan—10-9-1973.
52. Shri S. P. Kohat—10-9-1973.
53. Shri B. K. Arora—10-9-1973.
54. Shri K. S. Dhillon—10-9-1973.
55. Shri K. B. P. N. Singh—10-9-1973.
56. Shri M. M. Singh—10-9-1973.
57. Shri S. K. Scengal—10-9-1973.
58. Shri N. Kaushal—10-9-1973.
59. Shri V. K. Singh—10-9-1973.
60. Shri Ashok Rajah—10-9-1973.
61. Shri Param Hans Singh—10-9-1973.
62. Shri Shiv Raj Singh—14-9-1973.
63. Shri B. R. Devi Reddy—10-9-1973.
64. Shri P. Joshi—4-3-1974.
65. Shri S. S. Verma—4-3-1974.
66. Shri P. Sanyal—4-3-1974.
67. Shri Rakesh Verma—4-3-1974.
68. Shri K. Bagchi—4-3-1974.
69. Shri R. N. Chowdhury—4-3-1974.
70. Shri P. Kumar—4-3-1974.
71. Shri M. S. Gosain—4-3-1974.
72. Shri P. N. Tewari—4-3-1974.
73. Shri B. K. Kcswani—4-3-1974.
74. Shri Kamal Prasher—4-3-1974.
75. Shri Ashok Raj Walmik—4-3-1974.
76. Km. P. Sidhu—25-3-1974.
77. Shri R. I. Singh—25-3-1974.
78. Shri L. P. Menzes—25-3-1974.
79. Shri J. B. R. P. Rao—25-3-1974.
80. Shri Vinay Kapoor—25-3-1974.
81. Shri Mihir Karmarkar—25-3-1974.
82. Shri Kamal Kant—25-3-1974.
83. Shri Asha Ram—25-3-1974.
84. Shri S. S. Sathe—25-3-1974.
85. Shri J. P. Mathur—29-4-1974.
86. Shri P. L. Saxena—29-4-1974.
87. Shri A. K. Sharma—29-4-1974.
88. Shri F. N. Buhariwala—29-4-1974.
89. Shri Vijay Kumar—29-4-1974.
90. Shri A. N. Mathur—29-4-1974.
91. Shri M. A. Bhat—29-4-1974.
92. Shri S. K. Singh—29-4-1974.
93. Shri A. N. Vishwanath—29-4-1974.
94. Shri K. Venktaraman—29-4-1974.
95. Shri Gopal Mahta—29-4-1974.
96. Shri Yudhistra Aggarwal—29-4-1974.
97. Shri A. K. Oswal—1-7-1974.
98. Shri R. L. Biala—1-7-1974.
99. Shri R. Balpuri—1-7-1974.

100. Shri Mukhtiar Singh—1-7-1974.
101. Shri G. S. Dhiman—1-7-1974.
102. Shri Hukam Chand—1-7-1974.
103. Shri V. D. Parmar—1-7-1974.
104. Shri M. S. Sundram—1-7-1974.
105. Shri K. S. Virk—2-7-1974.

S. L. KHANDPUR
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 14th February 1975

No. 1/330/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri D. S. Pendse, Assistant Supervisor, Headquarters Office, Bombay as Supervisor in an officiating capacity in the same Office for the period from 2-12-1974 to 31-1-1975 (both days inclusive against a short-term vacancy).

P. K. G. NAYAR
Dy. Director (Admn.),
for Director General

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 11th February 1975

S. No. 2.—On transfer from Neemuch III Division, Shri P. S. Chube District Opium Officer, took over charge as District Opium Officer Bareilly in the forenoon of the 18th January, 1975 *vice* Shri B. N. Mittra transferred.

S. No. 3.—On his appointment, Shri K. P. N. Rui, officiating Assistant Manager, assumed charge as District Opium Officer Jhalawar (Rajasthan) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the forenoon of the 27th January, 1975 relieving Shri G. S. Nadkar from additional charge.

S. No. 4.—On his appointment, Shri Birdco Ram, officiating Assistant Manager, assumed charge as Superintendent (Executive) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the forenoon of the 10th January, 1975 and posted at Ghazipur.

S. No. 5.—On his appointment, Shri Santokh Singh and officiating Deputy Superintendent (Executive) assumed charge as District Opium Officer, Pratagarh (Rajasthan) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the forenoon of the 22nd January, 1975 relieving Shri B. Tirath from additional charge.

S. No. 6.—On his appointment, Shri J. Maganji officiating Deputy Superintendent (Executive) assumed charge as District Opium Officer, Neemuch III Division in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the forenoon of the 9th January, 1975 *vice* Shri P. S. Choube transferred.

S. No. 7.—On his transfer from Kanpur Collectorate, Shri N. G. Bhatnagar Superintendent of Central Excise Class II took over charge as District Opium Officer, Barabanki I Division in the afternoon of the 15th January, 1975 *vice* Shri R.K. P. Sinha transferred.

A. SHANKER
Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION (WATER WING)

New Delhi-22, the 12th February 1975

No. A-19012/501/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri B. B. Mukherjee, Supervisor, CW&PC, to officiate as E.A.D./A.E./ARO (Engg.) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a purely temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. 4-11-74 (forenoon) until further order. Shri Mukherjee will be entitled to draw his pay in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) with from 4-11-74. (forenoon).

Shri Mukherjee, took over charge of the office of Assistant Engineer in Central Flood Forecasting Control Room, CW&PC (WW) Silchar with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON
Under Secy.
for Chairman, C.W. & P. Commission

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 12th February 1975

No. A-19012/507/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri M. D. Radhakrishna, Supervisor to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of the 21st October, 1974, until further orders.

Shri M. D. Radhakrishna took over charge of the office of Assistant Engineer in Teesta Investigation Sub-Division under Sikkim Investigation Division of Investigation Circle No. II, Central Water Commission Gangtok, Sikkim with effect from the above date and time.

The 14th February 1975

No. A-19012/532/75-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, is pleased to appoint Shri D. P. Sharma, Hindi Translator in the Deptt. of Social Welfare to officiate in the grade of Assistant Editor, Bhagirath (Hindi) in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis as on deputation to Central Water Commission in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 15-1-75 (A.N.).

Shri D. P. Sharma assumed charge of the office of Assistant Editor, Bhagirath (Hindi), in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON
Under Secretary
for Chairman, C. W. Commission

New Delhi-22, the 12th February 1975

No. A-19012/524/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Prem Babu Goyal, Supervisor of this Commission, to officiate as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of the 26th November, 1974 and until further orders.

Shri P. B. Goyal took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Electricity Authority (formerly C.W. & P.C. (Power Wing), New Delhi with effect from 26-11-1974 (forenoon).

The 13th February 1975

No. A-19012/471/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-19012/471/74-Adm.V., dated the 11th October, 1974, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. L. Ahluwalia, Senior Librarian, to officiate as Special Officer (Documentation) at the Central Water and Power Research Station, Poona, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, for a further period from 5-11-1974 to 28-2-1975 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. G. MENON
Under Secretary
for Chairman, C. W. Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 15th February 1975

No. 6/2/75-Adm. II.—The chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri D. S. Taranath, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Class-II) Service with effect from the forenoon of the 9th January, 1975 till further orders.

The 20th February 1975

No. 6/2/75-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Amrit Ram, Technical Assistant to the grade of Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Class-II) Service with effect from the forenoon of the 22nd January, 1975, till further orders.

M. S. PATHAK
Under Secretary

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
New Delhi, the 13th February 1975

No. 5/1/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the result of the Engineering Services Examination held in 1973, on probation in the CES Class I in the CPWD against temporary posts of Asstt. Executive Engineers (Civil) with effect from the dates mentioned against their names.

S/Shri	Date of joining
1. K. V. L. N. Rao	31-12-74 F.N.
2. K. S. Tyagi	15-1-75 F.N.
3. Bhartendu Bhushan	15-1-75 F.N.
4. Anil Kumar Sharma	17-1-75 F.N.
5. Privatosh Choudhury	21-1-75 F.N.

No. 5/1/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the result of the Engineering Services Examination held in 1973 on probation in the CEES Class I in the C.P.W.D. against temporary posts of Asstt. Ex. Engineer (Elect) with effect from 15-1-75 (F.N.).

S/Shri
1. A. K. Pand
2. L. Tirupati Reddy
3. Balwant Kumar Singal

The 18th February 1975

No. 5/3/73-ECI.—The President is pleased to allow the following Assistant Engineers (Civil & Elect.) to continue to officiate for a further period as Executive Engineer (Civil & Elect.) in CES Class I and CEFS Class I on purely *ad hoc* and provisional basis up to 30-6-75 dates mentioned against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

CES Class I

S/Shri
1. D. D. Malik
2. B. P. Gupta
3. Khem Chand Gerimal
4. R. D. Mistry
5. V. V. Venkatachari
6. P. K. Mathur
7. M. B. Shivadasani
8. S. G. Chakravarty
9. Kamta Prasad
10. B. R. Mahajan
11. S. C. Goel II
12. S. K. Lahiri
13. Y. P. Wadhwa
14. Baldev Suri
15. K. T. Balasubramanian
16. Jaswant Singh
17. L. P. Mukherjee
18. B. M. Ghosh
19. G. G. Ghosh (upto 28-2-75, the date of his retirement)
20. R. K. Barkataki
21. C. R. Dey
22. K. K. Gupta
23. P. K. Bose
24. Radhey Lal-I
25. P. K. Garg
26. S. Ramamurthy (upto 31-1-75 the date of his retirement)
27. S. M. Airon
28. B. G. Choudhury
29. V. K. Krishnani
30. S. P. Arora
31. Bhagwan Das I
32. C. P. Sharma II

33. D. C. Goel II
34. D. K. Bhowmick
35. G. S. Murthy
36. R. K. Sachdeva
37. S. N. Dandona
38. R. N. Gupta
39. R. R. Singh
40. B. D. Goyal
41. P. P. Goyal
42. Gurmej Singh
43. B. G. Palsikar
44. G. S. Karnanay
45. H. L. Khazanchi

CEFS Class I

S/Shri
1. N. C. Dutta Gupta
2. P. C. Ghosh
3. R. N. Ganguly
4. D. R. Khanna
5. Viswanath Singh
6. A. K. Dutta
7. P. A. Chawla
8. E. K. Viswanathan
9. J. Chakravarty
10. B. K. Sood

P. S. PARWANI
Dy. Director of Administration

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 12th February 1975

No. PB/GG/9/Misc./II.—Shri N. PARTHASARTHY, Assistant Electrical Engineer/Liaison (Class II) has been relieved on the forenoon of 3-12-1974 and transferred to the Metropolitan Transport Project (Railways), Madras in the same capacity and he will revert back to South Eastern Railway on completion of his assignment at MTP (Rlys.), Madras.

Shri M. S. SRINIVASAN, Officiating Senior Mechanical Engineer (S.S.) who has been temporarily transferred to the Control of Officer on Special Duty (Projects), Madras has been transferred to this Administration and posted as Officiating Senior Mechanical Engineer/Plant (S.S.) from 6-12-1974 (F.N.).

Shri C. R. RADHAKRISHNAN, Officiating Works Manager/Electrical (S.S.) (ad hoc) has been reverted to Class II service from 6-12-74 (FN) and posted as Officiating Electrical Engineer/Inspection (Class II).

Shri R. RAMAMOORTHY, Officiating Assistant Electrical Engineer/Inspection (Class II) (ad hoc) has been reverted to Class III service from 6-12-1974 (F.N.).

Shri K. RAMAN, Officiating Additional Chief Mechanical Engineer (S.A.) (Level II) has been relieved from this Administration on the afternoon of 5-12-74 and transferred to Southern Railway as Chief Mechanical Engineer (S.A.) (Level I).

Shri S. K. DUTTA, Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer/Planning (J.A.) has been promoted to officiate as Additional Chief Mechanical Engineer (S.A.) (Level-II) on *ad hoc* basis from 6-12-74 to 29-12-1974.

Shri C. S. VENKATARAMAN, officiating Assistant Controller of Stores has been promoted to officiate as District Controller of Stores Purchase/Pur. (S.S.) from 16-12-74 to 6-1-1975.

Shri R. C. TANDON, Officiating Superintendent Mechanical (Workshops) (J.A.), on relief from Western Railway reported in this Administration on 30-12-1974 and took over charge as Officiating Additional Chief Mechanical Engineer (S.A.) (Level-II).

Shri S. BALASUBRAMANIAN, Officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) has been reverted to Class III service with effect from 7-1-1975.

Shri V. DILLI BABOO, Officiating Welfare Officer (Class II) has been promoted to officiate as Senior Personnel Officer/Shell on *ad hoc* basis with effect from 20-1-1975.

Shri C. SANKARAN, Officiating Welfare Inspector Gr. I/ Canteen (Class III) has been promoted to officiate as Welfare Officer (Class II) with effect from 20-1-1975.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Associated Traders Private Ltd., (In Liqn.)

Dated.....

No. L/24690/D-1548.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Associated Traders Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Krishna Chandra Dutta (1946) Pvt. Ltd. (In Liqn.)

Dated.....

No. L/14642/D-718.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Krishna Chandra Dutta (1946) Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bose Press Private Ltd. (In Liqn.)

Dated.....

No. L/19528/D-1442.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bose Press Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Notice under section 560(4) of the Companies Act, 1956
AND

In the matter Commercial Supply Syndicate (India) Ltd.,

Whereas Commercial Supply Syndicate (India) Pvt. Limited, having its registered office at 54, Chittaranjan Avenue, Cal-12, wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting the affairs of the Company have been completely wound up, and that Statement of Account (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 569 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Commercial Supply Syndicate Pvt. Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

Sd- ILLEGIBLE
Addl. Registrar of Companies,
West Bengal.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Presne Engineering Syndicate Private Limited.

Hyderabad-1, the 10th February 1975

No. 1037-T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Presne Engineering Syndicate Private Limited unless cause is shown to be contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN,
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh.

In the Matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. M. M. Foam Limited

Bangalore, the 12th February 1975

No. 2563/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. M. M. Foam Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

PROBODH,
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

In the Matter of the Companies Act, 1956 and of

Trade Extension Syndicate Limited

New Delhi, the 13th February 1975

No. Lign/3605/2120.—Notice is hereby given pursuant to such section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Trade Extension Syndicate Limited, unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. S. SHARMA,
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

In the Matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Parsons IBI Limited

Bombay, the 17th February 1975

No. 13164/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Parsons IBI Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the Matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Mahalaxmi Ores and Metals Private Limited.

Bombay, the 19th February 1975

No. 13217/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mahalaxmi Ores and Metals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN,
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

In the Matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The United Polyester and Allied Industries Private Ltd.

Madras, the 20th February 1975

No. DN/6043/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. The United Polyester and Allied Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN,
Assistant Registrar of Companies.

**In the Matter of the Companies Act, 1956 and of
Mangalodayam Chit Fund Private Limited**

Ernakulam, the 11th February 1975

No. 1955/Liq/1368.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mangalodayam Chit Fund Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR,
Registrar of Companies.
Kerala.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL.

Bombay-20, the 18th February 1975

No. F.48-Ad(A1)/74-P.II.—Shri Sat Pal, a permanent Personal Assistant (Grade II of CSSS) in the cadre of Ministry of Law & Justice is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 10-2-1975 (Forenoon) in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 10th February, 1975 (Forenoon).

HARNAM SHANKAR,
President.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

CORRIGENDUM

Jaipur, the 19th February 1975

Read 8-8-1974 instead of 24-6-1974 as the date of registration in notice U/s 269D(1) bearing No. J-13/74(12)4/187 dated 7-1-1975.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Patna, the 3rd February, 1975

Following is the list of the assessee, who were tax defaulters as on 31.3.74 u/s 287 of the I. T. Act, 1961,

S. NO.	Name & Address	Amount
1	2	3

A. Persons in default for period exceeding nine months, but not exceeding 1 year 3 months.

NIL

B. Persons in default for a period of 1 year and 3 months and above, but not exceeding 2 years and 3 months.

NIL

11-496 GI/74

1	2	3
C. Persons in default for period of 2 years and 3 months and above		
1. Shri Chandradeo Singh, Kadamkuan, Patna	2,02,822	
2. M.I.T. Motors, Patna Gaya Road, Patna	3,61,575	
3. Patna Brick Mft. Co., Patna	2,01,630	
4. Late Sri Ram Niwas Singh, Lohanipur, Patna	1,42,484	
5. M/s Arora & Co., Patna city	27,029	
6. Late Shri P.R. Dass, Patna	66,148	
7. M/s Works Mani & Co., Patna	1,14,726	
8. M/s Mangaldas Radhakishun, Patnacity	28,932	
9. Haricharan Bhagat & Sons, Zinapur, Patna	30,888	
10. M/s Doma Sah Kishun Kal, Muradpur, Patna	42,221	
11. Sri Sashi Bhushan Pd. Singh, Barh, Patna	2,96,136	
12. Pyara Singh Atwal, Zinapur Cantt.	11,09,920	

JAGDISH CHAND,
Commissioner of Income-tax

Bombay, the 17th February 1975

INCOME-TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 1475.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the Section 117 of the Act, 1961 (Act 43 of 1961), I, Shri O. V. Kuruvilla, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay have appointed the undermentioned Inspector of Income-tax to officiate as Income-tax Officer, Class-II with effect from the date shown against his name and until further orders.

Shri V. R. Apte, Inspector, ITO(Hqrs) IX, Bombay.

10-2-75 (AN)

2. He will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-64 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary, be extended beyond the above period. Their confirmation and/or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to termination at any time without notice.

O. V. KURUVILLA,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-I, Bombay.

Bombay, the 14th February 1975

INCOME-TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 1476.—Under article F.R. 56-K, Shri P. S. Gopalakrishnan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Bombay is allowed to retire from Government Service, voluntarily, with effect from 15-2-75 (Afternoon).

J. KRISHNAMURTHY,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-X, Bombay.

FORM ITNS—

(2) Sri Nasir Khan, House No. 10-2-347/B Asifnagar,
Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref No. RAC. No. 94/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-298 situated at State Talkies, near Nayapul, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amtul Kareem, House No. 10-1-123, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : No. 22-8-298, State Talkies, near Nayapul, Hyderabad, Area 7855.6 Sq. Mts. (1/25th share)

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay-20, the 10th February 1975

Ref. No. ARI/864-11/Jun 74.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 92 (pt.) S. No. 90 (pt) Hissa No. 1 (pt) situated at Pali Hill, **Bandra**, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Regulation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 24-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 2,000 square yards (equivalent to 1672 sq. metres) situated at old No. 43, new No. 55, Pali Hill Bandra, Bombay-50, bearing old survey No. 251 (part) City Survey No. 12 (part) non-agricultural plot No. 92 (part), Survey No. 90 (part) Hissa No. 1 (part) together with the building known as 'Girnar Apartments', situated at the abovementioned plot of land.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now(therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

(1) Smt. Parbatibai Bajaj & Ors.

(Transferor)

(2) Girnar Apartments Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

Date : 10-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Mazdock Apartments Co-op. Housing Society
Ltd. 14 Sarin House, Mazgaon Docks Ltd.
Bombay-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay-20, the 11th February 1975

Ref. No. AP.200/IAC.AR.IV/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV Bombay, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1, 2 & 3 situated at Versova, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhailal V. Dani C/o Jaysukh Construction Co. 388 Shaikh Memon St. Bombay-3.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Versova in Greater Bombay containing by ad-measurement an area of 1895.43 sq. Metres or thereabouts with structure bearing Survey No. 82-83 and 99 of Versova and new Nos. 91, 95(a), 98 and 99.—Plot Nos. 1, 2 and 3 of Private Scheme and bearing portions of City Survey Nos. 1296, 1297, 1/1297, 1298, 1299, 1300 and 1301 and Municipal Numbers, K-Ward No. 7159(7), Street No. 74-G of Jaiprakash Road, Andheri.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 11-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Hussaini Begum, R/o 3-6-145/4/A, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. A. Ratna Bai, R/o Varse Konda Village, Metpally Tq. Karimnagar, Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, HYDERABAD

(3) As at Serial No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. S. Radha, H. No. 3-6-145/3/A Himayatnagar Hyderabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Hyderabad, the 12th February 1975

Ref. No. RAC.No. 106/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-145/3/A, situated at Himayatnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 25-6-1974, Hyderabad on 15-6-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Double storied building No. 3-6-145/3/A, Himayatnagar, Hyderabad. A.O., Area : 114 Sq. Meters.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay-20, the 10th February 1975

Ref. No. AR-II/1031/2496/74-75.—Whereas, I. G. S. Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. C/386, 210, C/385, 210, Plot No. 41 & 42 situated at Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) India G Rihwani & Ois.
(Transferor)
- (2) Ajanta Handra Cooperative Hsg. Society. Ltd.
(Transferee)

- (1) Mr. R. S. Pereira.
- (2) Mr. S. M. Saleh.
- (3) Mr. C. F. D'Souza.
- (4) Mrs. Mercy T. Fernandes.
- (5) Mr. T. E. Khambatta.
- (6) Mr. P. S. Lulla.
- (7) Mrs. Shalu M. Bhatija.

- (8) Mr. O. Z. Nunes.
- (9) Mrs. J. U. Gokhlaney.
- (10) Mr. Mohomed Ali Syed.
- (11) Mr. S. A. Kuckreja.
- (12) Mr. I. A. Sayed.
- (13) Mr. D. V. Lulla.
- (14) Mr. B. G. Rijwani.
- (15) Miss U. V. Lulla.
- (16) Mr. S. Y. Gupte.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FIRSTLY ALL THAT piece or parcel of agricultural land admeasuring 658 Square Yards or 550.15 sq. metres or thereabouts and forming portion of Survey No. 210 Plot No. 1 and now bearing City Survey No. C/386 and being Plot No. 1 of the Private Scheme of the Vendor and his brother situate at Kantwadi Road, Bandra in Greater Bombay in the Revenue Village of Danda, South Salsette Taluka, Bombay Suburban District, Registration Sub-District Bandra and Registration District Bombay Sub-urban and bounded on or towards the East by Plot No. 3 of the said Private Scheme now assigned City Survey No. C/384A, on or towards the West by the Kantwadi Road, on or towards the North by the property of the Salsette Catholic Co-operative Housing Society Ltd. and on or towards the South by piece or parcel of land secondly described below.

SECONDLY ALL THAT piece or parcel of agricultural land admeasuring 784 square yards or thereabouts and forming portion of Survey No. 210 Plot No. 1 and now bearing City Survey No. C/385 and being Plot No. 2 of the Private Scheme of the Vendor and his brother situate at Kantwadi Road, Bandra in Greater Bombay in the Revenue Village of Danda, South Salsette Taluka, Bombay Suburban District, Registration Sub-District Bandra and Registration District Bombay and bounded on or towards the East by Plot No. 3 of the said Private Scheme now assigned City Survey No. C/384A, on or towards the West by Kantwadi Road, on or towards the North by piece or parcel of land firstly described above and on or towards the South by a road.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 10-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. V. Siddha Chettiar, Gugai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri C. Rajamanickam, Gugai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MADRASObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/19/7A/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at D. D. Road, Dadhubai Kuttai, Salem, No. situated at D. D. Road, Dadhubai Kuttai, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem East on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/4th share in Land at T. S. No. 6, Ward No. J Block No. 2, Salem. T.S. No. 41 measuring 6,600 sq. ft.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1975.

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri N. V. Varudharaju Chettiar, Gugai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MADRAS(2) Smt. R. Parvatham, W/o C. Rajamanickam,
Gugai.

(Transferee)

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/19/7B/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at D. D. Road, Dadhubai Kuttai, Salem,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem East on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land at Salem Town, F. Division, 4th ward, Dadhubai kuttai, D. D. Road measuring 6600 sq. ft. (T.S. No. 6 & 41).

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri R. Selvaraj, S/. C. Rajamanickam, Gugai,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1975

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. XVI/19/7C/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated Dadhubai Kuttai, D. D. Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem East on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/4th share in land (6600 sq ft.) at Salem town, F Division 4th ward, Dadhubai Kuttai D. D. Road (T.S. No. 6) and J Ward, Block 2, New T.S. No. 41.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

(1) Shri N. V. Varudhraj Chettiar, Gugai,
(Transferor)

Date : 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Karthikeyan (Minor), By guardian Shri C. Rajamanickam, No. 1, Pulikuthi Street, Gugai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MADRAS

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/19/7D/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Dadhubai Kuttai, D. D. Road, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem East on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. V. Siddha Chettiar, Gugai.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in land (6600 sq. ft.) at Salem town, F. Division 4th ward, Dadhubai Kuttai D.D. Road (T.S. No. 6) and J Ward, Block 2, New T.S. No. 41.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 10-2-1975.

Seal:

FORM ITNS—

(2) Shri V. K. Ilayalwar, Athur, Athur Taluk, Salem Dt.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. F. XVI/1(ii)/5A/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan,

being the competent authority under section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated New T.S. No. 23, Block 3, Ward J, Salem, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR. II, Salem on June 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring about 3,339 sq. ft. in new T.S. No. 23, Block 3, Ward J, Salem Town.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

(1) Shri R. Gnanasekaran, Velalar St., Kichipalayam, Salem.

(Transferor)

Date . 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Govindaswamy Pillai, Shri Ramesh
Shri Saravanan, Velalar St., Kichipalayam, Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. K. Ilaiyalar, Athur, Athur Taluk, Salem
Dt.,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
MADRAS

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/1(ii)/5B/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at New T.S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR.II, Salem on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring about 3,445 sq. ft. in new T.S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem Town.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I,

Date : 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Guanasekaran, Velalar Street, Kichipalayam, Salem Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. K. Ilaiyalar, Athur, Athur Taluk, Salem Dt.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/1(ii)/5C/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at T.S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR.II, Salem on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Nok, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 2900 sq ft. in new T.S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem Town.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Ramachandran, Velalar St., Kichipalayam,
Salem town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1
MADRAS(2) Shri V. K. Ilayalwar, Athur, Athur Tq., Salem
Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/1(ii)/5D/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at New T.S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Salem on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 2429 sq ft. in new T.S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem Town.

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Gnanasekaran, Velalar St., Kichipalayam,
Salem Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. K. Iyalwar, Athur, Athur Tq., Salem
Dt.,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRASObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/I(ii)/5E/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961); (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe, that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at New T. S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Salem on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 2900 sq. ft. in new T.S. No. 12, Block 3, Ward J, Salem Town.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-60.

Date : 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri T. M. Govindaswamy Naidu, "A 7", Barathi Street, Sornapuri, Salem-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-6, the 10th February 1975

Ref. No. F. XVI/1(ii)/6/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 4.91 acres situated S. No. 23/1, Bodinayakkampatti village, Salem Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-6-1974. JSR I, Salem on June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Palaniammal & A. Mathayyan, Bodinayakkampatti village, Salem-5,

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 4.91 acres with building at S. No. 23/1, Bodinayakkampatti village, Salem-5.

K. V. RAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s K.K.R. Natarajan & K. R. Devendran,
No. 92, Main Road, Dindigul.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 31st January 1975

Ref. No. F. VI/1(H)/1/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 149, 150 & 150A situated Main Road, Dindigul and 166, 167, 168, 169, 170 & 171, West Car Street, Dindigul (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, II, Dindigul on 11-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri M.S.D. Pitchaimuthu Chettiar and others,
No. 5, Bathian Chetty St., Main Road, Dindigul.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and buildings at Door Nos. 149, 150 & 150A, Main Road, Dindigul and at Nos. 166 to 171, West Car Street, Dindigul.

K. V. RAJAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Madras-6

Date : 31-1-1975

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 3th February 1975

Ref. No. Acq file No. 146 J. No. I(167)(EB)/74-75.—
Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 249 T S No. 148 situated at Suryaraopeta, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 7-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kirim Yerramma, W/o Sri Kanakalah,
KOTHURU Post

(Transferor)

(2) Shri Papireddy Viswanadham, S/o Veeraju YER-
RAPOTHAVARAM Village Ramachandrapuram
Taluk, E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari Dist.—Kakinada Sub-Registration—Kakinada Municipality—Kakinada Town—Suryaraopeta—S. No. 249—Western side 4-00 out of Ac. 14-41 cents.

BOUNDARIES

East : Vasamsetty Sarayya's land
West : Road
South : Municipal Slaughter house.

North : Killam Ramulu's house and site with all fruit bearing trees esements etc

K. SUBBARAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 3-2-1975.

Seal

FORM ITNS—

(2) Shri Kokku Parthasarathy, Sambamurthynagar,
Kakinada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAINADA

Kakinada, the 6th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 141/I. No. I(276)/74-75.—
Whereas, I, K. Subbarao,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 3-117A
situated at Vijapalaxmipuram Ward No. 17, Bapatla, (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred as per deed registered under the Indian Registra-
tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Bapatla on 30-6-1974, for an
apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid ex-
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any Income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(i) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

(1) Shrimati M. V. Subbamma, C/o Sri M. V. Rama-
murthy, Advocate, Gnanolivu, Street, Gandhinagar,
Vijayawada-3.

(Transferor)

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Guntur Dt. Bapatla Sub-Registrar—Bapatla Municipality—
Bapatla Town—Old Ward No. 16—New Ward 17—Vijaya-
laxmipuram—Daba House.

BOUNDRIES

East : Compound wall of this property bordering to the
Municipal Road—117 ft.

South : Site of Malladi Venkataramamurthy—18 ft.

West : House site standing at Item No 2 of this Schedule
121 ft. 9".North : Compound wall of this property bordering Muni-
cipal Road Ft. 70'6".

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. R. Chitra alias Chitra Veerabhadra Rao,
Waltair, Visakhapatnam-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 148/J. No. I(VSP). 76/74-75.—
Whereas, I, K. Subbarao,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to
believe that the immovable property, having a fair mar-
ket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Door No. 6-5-8 situated at Waltair,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred as per deed
registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer,
Visakhapatnam on 27-6-1974,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and the transferee(s) has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
pose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

No, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (i)
of section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the
following persons, namely:—

(2) The Great Easter Shipping Company Ltd., Regd.
Office, Mercantile Bank Building 60, Mahatma
Gandhi Road, BOMBAY.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—
Visakhapatnam Municipality—Visakhapatnam Town—Waltair
—Plot Nos. 11 and 12—Survey Nos. 375, 376 and 377—
Block No. 22—Waltair Ward—Visakhapatnam bearing pre-
sent Door Nos. 6-5-8—2082 Sq. Yds.

BOUNDRIES

East : Site for Park.
West : T.P.S. 50 feet Road.
North : Lay out Road 40 ft.
South : Dry ditch land.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Sri Jitendra D. Parekh, 6-Jeera, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1975

Ref. No. RAC. No. 105/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-2-309 & 310 situated at Ashoknagar, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 27-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Shamlal S/o Hazarimal, 7-2-309 & 310 Mission School, St. Ashoknagar, Secunderabad.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property : Building No. 7-2-309 and 310 Mission School St. Ashoknagar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad

Date : 11-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1975

Ret. No. RAC. No. 103/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-14-83/, 83/2 85/85/1 to 85/5 situate at Chaderghat Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hubhmathunnissa Begum W/o Nawab Zahir Yar Jung Bahadur, Sardar Patel Road, Secunderabad (Transferor)
- (2) (1) S/Sri 1, Dawood Khan,
(2) Mahamood Ali Khan,
(3) Asadullah Khan,

- (4) Mohammed Bayazeed Khan, and
(5) Ibrahim Ali Khan.

All are residing at Khadakpura Kurnool.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property . All that premises known as "KAMAL TALKIES" consisting of open land, Cinema Hall Restaurant, shops out-houses, cycle stand, and other constructions bearing Municipal (Old) nos. 18-14-83/, 83/2, 83/2, 85/ 85/, 85/2, 85/3 85/4, 85/5, corresponding to New Nos. 16-6-104, 105/106, 107 and 108 and 109, situated at Chaderghat, Hyderabad, excluding the Cinema Projectors and Cinema, furniture.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad.

Date . 11-2-1975

Seal .

FORM NO. ITNS—

(1) Sri Shamlal S/o Hazarimal, H. No. 3449 (7-2-309
at Mission School, Ashoknagar, Secunderabad.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Ram Singh S/o Shivanarayanasingh, M.G. Road,
Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1975

Ref. No. RAC. No. 104/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the competent authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 7-2-309 situated at Ashoknagar Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
Registering officer at Secunderabad on 24-6-1974
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consi-
deration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-Tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections

EXPLANATION —The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property : Building No. 3549/1 (7-2-310 situated at Mission
School, at Ashoknagar, Secunderabad.
Area : 109 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad.

Date 11th February 1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Anawari Begum W/o Ahmed Khano, R/o
No. 10-2-347/B Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1975

Ret. No. RAC. No. 102/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961), have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at Hyderabad on 21-6-1974 for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the transferor(s) and the
transferee(s) has not been truly stated in the said instrument
of transfer, with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely:—

- (1) Smt. Amatul Kareem, W/o Mir Jafferli, Khan,
R/o Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every
person who has made such objection, and the transferee
of the property

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) shall have the same meaning as
given in that Chapter.

SCHEDULE

Property : No. 22-8-298 State Talkies, (1/25th Share) at
Nayapur, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Hyderabad

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Anawari Begum, W/o Ahmed Khan, H. No. 10-2-347/B Asfnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 101/74-75.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-6-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Syed Abdul Hameed S/o Syed Abdullah, R/o Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : No. 22-8-298 State Talkies, (2/25th Share) at Nayapur, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 100/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely ;—

(1) Sri Syed Abdul Wahab S/o Syed Abdullah, R/o Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anawari Begum, W/o Ahmed Khan, H. No. 10-2-347/B Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : No. 22-8-298 State Talkies, (2/25th Share) at Nayapul, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS

List of occupants of Building No. 12/56 Desh Bandhu
Gupta Road Karol Bagh, New Delhi-5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the February 1975

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/June II/5043 11(3)/74-75.—

Whereas I, S. C. Parija,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/4th share of Property No. 306082 Ward No. XVI built on plot No. 12 Block No. 56 situated at WEA Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 18-6-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Kumar Mongia s/o Shri Madan Lal Mongia through Shri Madan Lal Mongia, E-9/19, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

M/S. United Construction and Trading Co. Situated at 45, Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Shop No.	Name of the Party	Rent per Month
1.	Amrita Trading Co., Prop. S. Taran Singh	Rs. 50/-
2.	Om Prakash	50/-
3.	Mulkh Raj Gulati	50/-
4.	Mulkh Raj Gulati	50/-
5.	Ram Shakti	50/-
6.	Amar Nath Luthra	50/-
7.	Smt. Pratibha Rani	50/-
8.	Dev Raj Mukherje	50/-
9.	Lipton Tea Co.	50/-
	through K. L. Sahni Salesman	50/-
10.	Hans Raj Bhutani	50/-
11.	Mohinder Lal	50/-
12.	Ram Nath & Kul Bhusan	60/-
Garage No.		
1.	Vas Dev Verma	60/-
2.	Smt. Laj Mongia	60/-
	Prop. Mongia Bros.	
3.	Om Prakash Naresh Kumar	60/-
4.	Kewal Krishan Sehgal	60/-
	1st floor Chandra Shekhar Mohila	175/-
	2nd Floor Dr. Miss Indu Ben Patel	160/-
	United Trading Co.	600/-
	Universal Chemical Co.	450/-
	Barsati Sh. Suresh Sachdev	30/-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of double storeyed building bearing Municipal No. 306082, Ward No. XVI built on lease-hold plot No. 12 Block No. 56, on an area of 1288.2 sq. yds. situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North: Service Road South: Road East: Property on plot No. 11 West: Road.

S. C. PARIJA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, New Delhi

Date : -2-1975

Seal :

FORM ITNS—

List of occupants of Building No. 12/56 Desh Bandhu Gupta Road Karol Bagh New Delhi-5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the February 1975

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/June II/5043 10(2)/74-75—
Whereas I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/4th share of property No. 306082 Ward No. XVI,
built on plot No. 12, Block No. 56 situated at WEA Karol
Bagh, New Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as
per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer
at New Delhi on 18-6-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and the consideration for such transfer as
agreed to between the transferor(s) and the transferee(s)
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
transferee for the purpose of the Indian
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purpose of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons
namely :—

(1) Shri Mukand Lal S/o Shri Kanwar Bhan Mongia
9 Telegraphic Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. United Construction and Trading Co. situated
at 45, Desh Bandhu Gupta Market, Karol
Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Shop No.	Name of the Party	Rent per Month
1.	Amrita Trading Co.,	Rs. 50/-
2.	Prop. S. Taran Singh	50/-
3.	Om Parkash	50/-
4.	Mulkh Raj Gulati	50/-
5.	Mulkh Raj Gulati	50/-
6.	Ram Shakti	50/-
7.	Amar Nath Luthra	50/-
8.	Smt. Pratibha Rani	50/-
9.	Dev Raj Mukherje	50/-
10.	Lipton Tea Co.	50/-
11.	through K.L. Sahni Salesman	50/-
12.	Hans Raj Bhutani	50/-
	Mohinder Lal	50/-
	Ram Nath & Kul Bhusan	60/-

Carage No.

1.	Vas Dev Verma	60/-
2.	Smt. Laj Mongia	60/-
	Prop. Mongia Bros.	60/-
3.	Om Prakash Naresh Kumar	60/-
4.	Kewal Krishan Sehgal	60/-
	1st Floor Chandra Shekhar Mohila	175/-
	2nd Floor Dr. Miss Indu Ben Patel	160/-
	United Trading Co.	600/-
	Universal Chemical Co.	450/-
	Barsati Sh. Suresh Sachdev	30/-

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of double storeyed building bearing Municipal
No. 306082, Ward No. XVI built on lease-hold plot No. 12,
Block No. 56, on an area of 1288.2 sq. yds. situated in WEA,
Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North: Service Road South; Road East: Property
on plot No. 11 West; Road.

S. C. PARIJA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : -2-1975

Seal :

FORM ITNS—

List of occupants of Building No. 12/56 Desh Bandhu
Gupta Road Karol Bagh, New Delhi-5NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

New Delhi, the February 1975

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/June II/504313(5)/74-75.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing No.No. 1/4th share of Property No. 306082, Ward No. XVI,
situated at built on Plot No. 12 block No. 56 WEA, Karol
Bagh, New Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer
at New Delhi on 18-6-1974for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property
ing the objections, if any, made in response to this
by the issue of this notice under sub-section (1) of section
269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the
following persons, namely :—(1) Shri Kultaran Singh Mongia s/o Late Shri Kanwar
Bhan Mangia, through Sh. Manohar Lal Mangia,
12/56, WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s United Construction and Trading Co., situated
at 45, Desh Bandu Gupta Market, Karol Bagh, New
Delhi.

(Transferee)

Shop No.	Name of the Party	Rent per Month
1.	Amrita Trading Co., Prop. S. Taran Singh	Rs. 50/-
2.	Om Prakash	50/-
3.	Mulkh Raj Gulati	50/-
4.	Mulkh Raj Gulati	50/-
5.	Ram Shakti	50/-
6.	Amar Nath Luthra	50/-
7.	Smt. Pratibha Rani	50/-
8.	Dev Raj Mukherje	50/-
9.	Lipton Tea Co.	50/-
	through K. L. Sahni Salesman	50/-
10.	Hans Raj Bhutani	50/-
11.	Mohinder Lal	50/-
12.	Ram Nath & Kul Bhusan	60/-

Carage No.

1.	Vas Dev Verma	60/-
2.	Smt. Laj Mongia	60/-
	Prop. Mongia Bros.	
3.	Om Prakash Naresh Kumar	60/-
4.	Kewal Krishan Sehgal	60/-
	1st floor Chandra Shekhar Mohila	175/-
	2nd Floor Dr. Miss Indu Ben Patel	160/-
	United Trading Co.	600/-
	Universal Chemical Co.	450/-
	Barsati Sh. Suresh Sachdev	30/-

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/4th share of double storyed building bearing Municipal
No. 306082, Ward No. XVI built on lease-hold plot No. 12,
Block No. 56 WEA Karol Bagh, New Delhi in an area of
1288.2 sq. yds. situated in WEA Karol Bagh, New Delhi
and bounded as under :—

North : Service Road

South : Road

East : Property on plot No. 11

West : Road.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-III New Delhi.

Date : Feb. 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI.

New Delhi, the February 1975

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/June II/504310(2)/74-75.—
Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Property No. 306082, Ward No. XVI, situated at built on Plot No. 12 block No. 56 WEA, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 18-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Manohar Lal Mongia s/o late Shri Kanwar Bhan Mongia, 12/56, WEA Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. United Construction and Trading Co., situated at 45, Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

List of occupants of Building No. 12/56 Desh Bandhu Gupta Road Karol Bagh New Delhi-5

Shop No.	Name of the Party	Rent per Month
		Rs.
1.	Amrita Trading Co., Prop. S. Taran Singh	50/-
2.	Om Parkash	50/-
3.	Mulkh Raj Gulati	50/-
4.	Mulkh Raj Gulati	50/-
5.	Ram Shakti	50/-
6.	Amar Nath Luthra	50/-
7.	Smt. Pratibha Rani	50/-
8.	Dev Raj Mukherje	50/-
9.	Lipton Tea Co. through K.L. Sahni Salesman	50/-
10.	Hans Raj Bhutani	50/-
11.	Mohinder Lal	50/-
12.	Ram Nath & Kul Bhusan	60/-

Carage No.

1.	Vas Dev Verma	60/-
2.	Smt. Laj Mongia Prop. Mongia Bros.	60/-
3.	Om Prakash Naresh Kumar	60/-
4.	Kewal Krishan Sehgal	60/-
	1st Floor Chandra Shekhar Mohila	175/-
	2nd Floor Dr. Miss Indu Ben Patel	160/-
	United Trading Co.	600/-
	Universal Chemical Co.	450/-
	Barsati Sh. Suresh Sachdev	30/-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/4th share of double storeyed building bearing Municipal No. 306082, Ward No. XVI built on lease-hold plot No. 12, Block No. 56 on an area of 1288.2 sq. vds. situated in W.E.A. Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Road
South : Road
West : Road.
East : Property on Plot No. 11.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-III New Delhi.

Date : Feb, 1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Rajendra Industries through its Managing Partners—

1. Shri Sambhu Venkatswamy s/o Ramayya, Partner in M/s. Shambhu Venkatswamy, Rajendra Ganj, Raichur.

2. Shri H. V. Manvikar, S/o M. R. Vithobana Partner in M/s. Narasayya Setty and Sons, Trading as Bharat Merchants, Raichur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Dharwar-4, the 10th February 1975

No. 59/74-75/Acq.—Whereas, I R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 228, situated at Village Raichur, Taluka Raichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raichur under Document No. 608/74-75 on 26-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ithli Sharanappa, s/o Kandappa, Teacher, Beeroon Killin Middle School, Raichur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land measuring 4 acres out of 14 acres and 14 Gunthas bearing survey No. 228, assessment 21-96 situate in Village Raichur, Taluk Raichur and bounded :—

On the East :—By Sy. No. 229 of Guldass Timmaya;

On the West :—By a portion of Sy. No. 228;

On the North :—By the remaining portion of the vendor's land Sy. No. 228 and Machalapur—Raichur Way;

On the South :—By Sy. No. 219 and 218 of Ithli Kadappa.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 10-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 13rd February 1975

Ref. No. III-95/Acq/74-75/1784—Whereas, I. J. Nath, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

deed No. 9708 date 20-6-74 Cr. No. 170, W No. 26 H No. 135, Sheet No. 243 & 260 Lot No. 1370, 1371, 1372, 1374, 1328 situated at Patna City, Patna

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officers at Nakodar at Patna on 20-6-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Syed Sayeed Ahmad, Prof. Jagdam College, V. & P.O. Chapra Distt. Saran.

2. Most Bibi Hasmat Ali Begum

3. Sayieda Begam, w/o Syed Hussain Ahmad Son & D/o Syed Hussain Khan at & P.O. Haziganj, Patna City, Patna

(2) Ram Swaroop Bhartia & Shri Prabhu Lal Bhartia S/o Shri Mangi Lal Bhartia, At Languegali, Patna City At Present: C/o M/s Mangi Lal Bhartia Scrap Material dealer At—Languegali (Haziganj) Patna City, Patna.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Seven annas share out of 16 annas of land with one house at Lngurgali, P.S. Chankkalan in Patna City Cr. No. 170—W No.-26, H No.-135 Sheet Nos. 243 & 260 M.S. Rot Nos. 1370, 1371, 1372, 1374, 1328, total 16 annas area 23 katha 14 Dhur as per deed No. 9208 dated 20-6-74.

J. NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Patna

Date : 13-2-75
Seal :

FORM ITNS—

Annexure

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the February 1975

- (3) 1. Mr. Sri Krishnan
2. Vacant
3. Gyaco Pvt. Ltd.
4. Dr. K.N.S. Nair
5. Kishore Chand Puri
6. Mr. Karam Chand
7. Mohinder Singh & K.B. Singh
8. Miss P.J. Scott
9. Mrs. Pushpa Wati Sharma
10. Mr. S.A. Shastri
11. Mr. C.V. Vadeehela
12. Mr. Roop Chand
13. Mr. R.S.P.N. Sen
14. Mr. A.S. Raghunathan
15. M/s. Venus Motors
16. Mrs. Samson Cook
17. Mr. Samson Cook
18. Mr. Wilson
19. Mrs. Jai Paul
20. Mrs. Bulan Dhobi
21. Mr. Karam Chand
22. Mr. Chhoteylal Dhobi
23. Mr. Ram Dass
24. Mr. Itbari Cook
25. Mr. S. Raghunathan
26. Mr. V.P. Gandhi
27. Mr. Dalu Ram
28. Mr. Joseph
29. Gupta Electric Co.
30. Standard Restaurant
31. A. Godin & Co.

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/Aug.II/(37)/74-75/5089—
Whereas I, D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. Nil Block No. 127 situated at Parliament Street, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) following persons namely :—

- (1) Mohinder Kaur W/o Sardar Jaspal Singh R/o 1-A, 'Vaikunth', Janpath, New Delhi,

(Transferor)

- (2) M/s. Northern Enterprises Corporation (Pvt.) Ltd.
2, Narindra Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold rights in plot of land measuring approximately 1.034 acres together with the building thereon described as plot No. Nil block No. 127 on Parliament Street, New Delhi and commonly known as "Narindra Place" New Delhi bounded as under:—

On the East: By Parliament Street

On the West: By Allahabad Bank Building and back of buildings facing Hanuman Road.

On the North: By Allahabad Bank Building.

On the South: By New Delhi Municipal Committee Compound.

D. B. LAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date: 2-1975

Seal:

FORM ITNS—

*(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(4) Any person interested the property.
(Person whom the undersigned knows to be in-
terested in property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1975

No. ASR/Patti/AP-1588/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Barinder Jit Kaur
alias Vira Gill w/o Shri Avtar Singh Gill, Patti.
(Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh Gill,
I.A.S. Village Patti District Amritsar,
presently posted at New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1181 of June, 1974 of the Registering Authority, Patti.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Amritsar.

Date : 13-2-75
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Harchand Singh s/o Balwinder Singh,
Jaswant Singh s/o Puran Singh,
V. Bhaini Gurmukh Singh Teh. Patti.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1975

No. ASR/Patti/AP-1590/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Bainsi Gurmukh Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Patti in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Meja Singh s/o Pal Singh,
V. Bhaini Gurmukh Singh Teh. Patti.

(Transferor)

3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

* (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1198 of June, 1974 of the Registering Authority, Patti.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Amritsar.

Date : 13-2-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Akurati Narayanarao, Gudiwada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Pidikiti Anand Rajmohan.
2. P. Uma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 11th February 1975

Ref. No. J. No. I(305)KR/74-75 Acc. File No. 150.—
Whereas, I, K. Subbarao,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 10/154-D 4/4 situated at 10th ward Gudiwada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudiwada on 30-6-1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Krishna District—Gudiwada Sub-Registrar—Gudiwada Municipality Gudiwada Town—10th ward—No. 10/154-D 4/4—Double storied building—452 Sq. Yds.
East : Patuniri Surya Prakasarao's site.
South : Municipal Road,
West : Municipal Road.
North : Site of G. Narayanarao etc.K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Kakinada.

Date : 11-2-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Nafeesabee W/o Mohd. Ibrahim Khan,
R/o Itwara, Kali Dhoben Ki Gali, Bhopal.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) therein after referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 storeyed house situated at inside Gali Kali-Dhobin, Municipal ward No. 13, Bhopal, situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 29-4-'74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Omprakash S/o Seth Sawaldas Agarwal,
R/o Lakherapura, Bhopal.
(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 storeyed house situated at inside Gali Kali Dhobin, Municipal ward No. 13, Bhopal.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 House No. 21/617 at Ram Sagarpara, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 17-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Liladhar S/o Shri Hemraj Agarwal, Godiyari Teh. & District Raipur,
2. Smt. Gulab bai W/o Shri Asskaran, Nagar Sadar Bazar, Raipur,
3. Shri Bulakichand S/o Shri Rattanlal Oswal, Ramsagarpara, Raipur,

4. Shri Ganeshmal S/o Shri Ass Karan Nagar, R/o Sadar Bazar, Raipur,

5. Shri Ass Karan, S/o Shri Jash Rao Nagar, R/o Sadar Bazar, Raipur,

(Transferor)

- (2) M/s. Munnalal S/o Shri Kesharichand (Firm Ganjpara, Raipur through partner Shri Munnalal S/o Shri Sadasukh, R/o Godiyari, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land sheet No. 13, Plot No. 14 area 1680 sq. ft. at Durg.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land sheet No. 13, plot No. 14 area 6180 sq ft. at Durg situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 5-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sulochana Joseph W/o Shri Padri Irejiyas Joseph, Near Christian Church, Opposite to Durg Roadways, Durg-Bilal Road, Durg.
(Transferor)

(2) Shri Amigashoband S/o Shri Jaspatrai Sondhi, Bungalow No. 20, 32 Bungalows, Area, Amlil Bhata, Bilal (S.D.O. Irrigation Office Opposite to Durg Roadways Durg)
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21/617 at Ramsagarpara, Raipur.

M. F. MUNSHI.

Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House at Vill. Modahapara No. 5/462, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 17-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Moh. Abdul Basha S/o Mohd. Abdul Majid
(Madrasi Mushalman) R/o Modahapara, Raipur,
(Transferor)

(2) Smt. Kusam Agrawal W/o Shri Roopnarayan Agrawal, R/o Gole Bazar Bilaspur, at present C/o Madhu Sweets, Motor Stand, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Vill. Modahapara No. 5/462, Raipur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 278 at Narsinghpur—73'x32'-6" situated at Narsinghpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Narsinghpur on 24-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16-496GI/74

(1) Shri Jamunaprasad Sahu S/o Shri Hulasiram Sahu
R/o Narsinghpur Teh. Narsinghpur.
(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar S/o Tarachand Jain.
R/o Sagar Bada Bazar, Sagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
defined in Chapter XXXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House at Narsinghpur—73' x 32'-6".

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.
Seal;

FORM ITNS—

(2) Shri Virendrakumar S/o Shri Tarachand Jain
Bada Bazar, Sagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Narsinhpur—73'x32'6" situated at Narsinhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinhpur on 24-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jamunaprasad S/o Hulasiram Sahu
R/o Narsinhpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Narsinhpur—73x32'6".

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (2) Smt. Uma Bai W/o Shri Ramnarainji,
2. Sunderlal, 3. Shri Prakashchandra, 4. Subash-
chandra all Ss/o Shri Ramnarainji,
R/o 9, Rajawada Chouk, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M.F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal House No. 9, 3 storeyed at Rajawada, Ahliya Chouk, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramchandra S/o Shri Shrikishanji Rathore
R/o 14, Chatripura, Indore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 9, 3 storeyed at Rajawada, Ahliya Chouk, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bajinath Chandrekar, Advocate,
S/o Shri Bhuwanlal Chandrekar,
R/o Dabripara, Bilaspur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

(2) Shri Bisheshar Lal Chandrekar, 2. Shri Rameshar Lal
Chandrekar both Ss/o Shri Suyamlal Chandrekar,
R/o village Kishargarh, Teh. Mungedi, Dist.
Bilaspur.

(Transferee)

Bhopal, the 12th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas I M. F. Munshi, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House alongwith open plot survey No. and plot No. 293/8/40 (part) at Kududand, Bilaspur, P.C. No. 110, Settlement No. 70, Teh. & Distt. Bilaspur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 20-6-74 for an apparent con- sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here- in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

House alongwith open plot survey No. and plot No. 293/8/40 (part) at Kududand, Bilaspur, P.C. No. 110, Settlement No. 70, Teh. & Distt. Bilaspur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Sudarshankumar S/o Shri Ramjidas Lekhi,
R/o Kailash Nagar, Rajnandgaon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Kh. No. 139/4 Area 10.00 Acres at Manki including house and well etc. at Manki situated at Manki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 1-6-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandrakumardas and Rajkumardas, Ss/o
Shri Bhagwandas, Vaishnav,
R/o Village Manki, Teh. Rajnandgaon.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 139/4 Area 10.00 Acres at Manki including house and well etc. at Manki.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Neemaji Kasturchandji, Nayapura Ujjain through partner and Attorney Shri Bapulal S/o Shri Munnalal Vidisha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Vidisha Auto Service, Vidisha through partner Shri Radheshyam S/o Shri Maganlalji Palod, Vidisha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Bhopal, the 12th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot situated in Ward No. 17 at Vidisha situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vidisha on 13-6-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

Plot situated in Ward No. 17 at Vidisha.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 12-2-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

- (2) 1. Shrimati Manakbai W/o Ramcharanji Agrawal.
 2. Shri Mohanlal S/o Ramcharanji Agrawal
 Minor through mother Manakbai 196,
 Tilakpath, Indore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 BHOPAL

Bhopal, the 13th February 1975

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas I M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. part of house A/1 within Shivvilas Palace compound, Rajawada, Indore situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chandabai W/o Sujanmalji Jain,
 71, Pandrinath Marg, Ada Bazar, Indore.
 (Transferor)

THE SCHEDULE

Part of house A/1 within Shivvilas Palace compound
 Rajawada, Indore.

M. F. MUNSHI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-tax, Acquisition Range-II,
 Range, Bhopal,

Date : 13-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Jorawarbai W/o Shri Chagganlal,
21, Parsi Mohalla, Indore.NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BHOPAL.Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 13th February 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property at 71, Parsi Mohalla, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Mangilal Soowalal Jain,
21, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 71, Parsi Mohalla, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 13-2-1975.
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Shanti Bapna, R/o Bahadur Bazar, Kotta,
Rajasthan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 13th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 21/101 Kotawala ki Haveli, Jipolia Gate, Ratlam situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 16-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Eklingjee Trust,
Udaipur, Rajasthan.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21/101 Kotawala Ki Haveli, Jipolia Gate,
Ratlam.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 13-2-1975.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 13th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 151/2 Parkota ward, Sagar situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 4-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kailashkumar,
2. Roopnarain, 3. Shivswaroop,
all Ss/o Laxman prasad Mishra,
R/o Parkota, Sagar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Prakashchand, 2. Shri Munnalal, 3. Shri Vinodkumar, 4. Shri Mukeshkumar
all Ss/o Shri Komal chand Jain,
Mother Smt. Shantabal W/o Komalchand Jain,
R/o Jawaharganj, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 151/2, Parkota ward, Sagar.

M.F. Munshi,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 13-2-1975.

Seal:

FORM ITNS—

Partners of M/s Alok Paper Industries Polo Ground,
Indore.NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th February 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. open plot of land at Ratlam Koti Near Kanchanbag Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 15.6.74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Madanlal Sukhlalaji Kimthi
Old Ratlam Koti Residency Area, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Rajendra chandmalji Garg,
2. Shri Dinesh Chandmalji Garg, R/o
21/22 Hukumchand Marg, Indore,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land at Ratlam koti Near Kanchanbag Colony, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 13-2-1975.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC.No. 98/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-298 (PORTION) situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-Hyderabad on 19th June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Syed Abdul Wahab, "Gullisthan" Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Kumari Izbal Begum, H. No. 10-2-347/B Asif-nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : No. 22-8-298, State Talkies, (Portion) at Nayapul, Hyderabad. (2/25th share.)

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1975

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE ETC.
EXAMINATION, 1975
F. 1/6/74-EI(B)

NOTICE

New Delhi, the 15th March 1975

A combined competitive examination for recruitment to the categories of Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SRINAGAR, TRIVANDRUM and LONDON commencing on the 6th October, 1975 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 15th March, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The categories of services/posts to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in the various services posts are given below :

Category I

- | | |
|---------------------------------------|--|
| (i) The Indian Administrative Service | * |
| and (ii) The Indian Foreign Service | 25 (Includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates and 2 vacancies for Scheduled Tribes Candidates) |

Category II

- | | |
|--|-----|
| (i) The Indian Police Service | * |
| (ii) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Class II | 5** |
| and (iii) Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Assistant, Class II in the Railway Protection Force | 2** |

Category III

(a) *Class I Services :*

- | | |
|---|--|
| (i) Indian P & T Accounts & Finance Service | * |
| (ii) The Indian Audit & Accounts Service | 12** |
| (iii) The Indian Customs & Central Excise Service | 35** |
| (iv) The Indian Defence Accounts Service. | 10 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates and 2 vacancies for Scheduled Tribes Candidates) |

- | | |
|---|---|
| (v) The Indian Income-Tax-Service (Class I) | 80 (Includes 12 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates and 11 vacancies for Scheduled Tribes Candidates). |
|---|---|

- | | |
|---|---|
| (vi) The Indian Ordnance Factories Service Class I (Assistant Managers—Non-Technical) | 5 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates) |
|---|---|

- | | |
|---------------------------------|---|
| (vii) The Indian Postal Service | * |
|---------------------------------|---|

- | | |
|--|-----|
| (viii) The Indian Railway Accounts Service | 9** |
|--|-----|

- | | |
|--|------|
| (ix) The Indian Railway Traffic Service, and | 20** |
|--|------|

- | | |
|---|--|
| (x) The Military Lands and Cantonments Service, Class I | 2 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Caste Candidate). |
|---|--|

(b) *Class II Services :*

- | | |
|---|------|
| (i) The Central Secretariat Service, Section Officer's Grade Class II | |
| (ii) The Indian Foreign Service, Branch 'B' Integrated Grades II and III of the general Cadre (Section Officers' Grade) | 40** |

- | | |
|--|--|
| (iii) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers Grade, Class II | 20 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidate). |
|--|--|

- | | |
|--|------|
| (iv) The Customs Appraisers' Service, Class II | 10** |
|--|------|

- | | |
|--|----------------|
| (v) The Goa, Daman and Diu Civil Service, Class II | 1 (Unreserved) |
|--|----------------|

- | | |
|--|----------------|
| and (vi) The Pondicherry Civil Service, Class II | 1 (Unreserved) |
|--|----------------|

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes Candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

Candidates who qualify in the examination for Services in Category II/Category III may also be considered for the following Services under the Central Government subject to availability of vacancies being intimated to the Commission in time.

1. The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Class II.
2. The Military Lands and Cantonments Service, Class II.
3. The Railway Board Secretariat Service (Section Officers, Grade) Class II.
4. The Pondicherry Police Service, Class II.
5. The Goa, Daman and Diu Police Service, Class II.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the categories of Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the services covered by the category/categories concerned for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and the particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00, which should be remitted by Money Order, to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011). The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refund.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE I.A.S. ETC. EXAMINATION, 1975. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE I.A.S. ETC. EXAMINATION, 1975, WILL NOT BE ENTERAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 12th May, 1975 (26th May 1975 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 12th May 1975), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

7. If any candidate who took the Indian Administrative Service etc. Examination held in 1974 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1974 examination, his candidature for the 1975 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

A. C. BANDYOPADHYAY,
Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders, or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from eastward East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 22nd March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 7 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

Instructions to Candidates

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form the candidate should consult the Notice, and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERAINED.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filed is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 12th May, 1975.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government

service does not submit an advance copy of his application alongwith the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commissions Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Five identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (see para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii) (v) & (vi) ABOVE. ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF FEBRUARY, 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in para 4 and 5 :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India, and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE :—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 80.00 or Rs. 200 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the Office of India's High Commissioner Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination fee". The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only show the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 8. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

(iv) *Five Copies of Photograph*.—A candidate must submit five identical copies of his recent passport size (5 cm.×7cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the remaining four copies should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parents) ordinarily reside—who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* of belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Castes/Scheduled Tribes* under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950 the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971).

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967.*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature.....
**Designation.....
(with seal of Officer)

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 7(b)(ii) or 7(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 7(b)(iv) or 7(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from his High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 7(b)(viii) or 7(b)(ix), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania claiming age concession under Rule 7(b) (vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 7(b) (x) or 7(b) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri.
of unit. was disabled while in the Defence
Services in operations during hostilities with a foreign coun-
try/in a disturbed area* and was released as a result of such
disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 7(b) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim:—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos
- (3) Mamlatdars.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 7(b) (xii) or 7(b) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri.
of Unit was disabled while in the
Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities
of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they sub-

mit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations and copies of pamphlets containing detailed marks awarded to candidates summoned for interview for Personality Test on the result of the written part of examinations held in previous years are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi 110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building C Block, Baba Kharg Singh Marge, New Delhi 110001, (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi 110001 and (iii) the Government of India Book, Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding Applications*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address*.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES. THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

